04 - 'विशेष उपलब्धि' नहीं, बल्कि स्वाभाविक शर्त

05 - संकल्प और उमंग के साथ तैयार हैं हम?

06 - राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम एवं बनेगा 100 रनिंग मीटर के पांच...

07 - गर्भवती महिलाओं की डोर टू डोर मॉनीटरिंग के दिए निर्देश

A Daily News Magazine

भोपाल

गुरुवार, 01 जनवरी, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 122, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

फोटो : पंकज शर्मा

अलविदा 2025...स्वागत 2026

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

फिर बदलेगा
'कैलेंडर'
और साल भी
'HNY' के साथ।
ये कुछ
अवसर होते हैं
कुछ देर ठहर के
बीते हुए कल को
देखने के लिए,
कुछ सुधार के लिए,
कुछ समझने के लिए,
और
नई सुबह में
नए जोश
नई ऊर्जा
के साथ
एक संतुलित
जीवन की ओर
बढ़ने के लिए,
अपने अस्तित्व को
सार्थक करने के लिए,

समाज और प्रकृति
के संतुलन में
अपनी भागीदारी के लिए पहल करें,
सह - अस्तित्व के भाव को समझें,
जीवन के स्पंदन को महसूस करें,
और
आनंदित रहें, स्वस्थ रहें।
वर्ष 2026 की शुभकामनाएं।

-सुरेंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में नए साल की एंट्री हो गई है। दुनिया के सबसे पूर्वी छोर पर बसे द्वीप देश किरिबाती में रात के 12 बजते ही साल 2026 की शुरुआत हो गई है। किरिबाती में भारत से 8:30 घंटे पहले नए साल की शुरुआत हो जाती है। ठीक एक घंटे बाद न्यूजीलैंड में भी नया साल दस्तक दे देगा। न्यूजीलैंड में भारत से साढ़े 7 घंटे पहले, जबकि अमेरिका में साढ़े 9 घंटे बाद नया साल आता है। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 29 देश ऐसे हैं जो भारत से पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरिबाती, समोआ और टोंगा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, म्यांमार, जापान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, नेपाल शामिल हैं। किरिबाती के बाद न्यूजीलैंड के चैथम आइलैंड में भी नया साल पहुंच गया। यहां सिर्फ करीब 600 लोग रहते हैं। होटल चैथम के बार में स्थानीय लोग 2025 के आखिरी पल साथ बिता रहे थे। होटल की मालकिन टोनी क्रून के मुताबिक युवा तो देर तक जागेंगे, लेकिन हम बुजुर्ग शायद पहले ही सो जाएं। टोनी कहती हैं कि इस जगह को लेकर लोगों के दिल में एक खास जुड़ाव है। यहां 2026 का स्वागत करना वाकई खास है, क्योंकि हम दुनिया से कटे हुए हैं, लेकिन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। नये साल का आगाज हो गया है।

● नए साल का आगाज,जश्न में डूबी दुनिया ● मंदिरों में उमड़ी भीड़,श्रद्धालुओ का लगा तांता

धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लोगों का सैलाब

● काशी-अयोध्या और वृंदावन में भीड़, 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे ● खाटूश्यामजी में 72 घंटे दर्शन होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल से पहले देशभर के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लोगों का सैलाब सा उमड़ पड़ा है। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में 3 लाख और वृंदावन में 4 लाख भक्त मौजूद हैं। राजस्थान के जैसलमेर में पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा भीड़ है। सीकर के खाटूश्यामजी में नए साल के मौके पर 72 घंटे दर्शन होंगे। उज्जैन के महाकाल लोक में कल साल के पहले दिन 12 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद घाटी में एक बार फिर से रौनक लौट आई है। पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की भीड़ है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे विंटर डेस्टिनेशन में होटलों की बुकिंग करीब 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है। नए साल की छुट्टियां मनाने बड़ी संख्या में टूरिस्ट जयपुर आए हैं। हवा महल समेत यहां के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रौनक है। आमेर फोर्ट, सिटी पैलेस, जंतर-मंतर और नाहरगढ़ फोर्ट पर भी भीड़ है। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी की दूसरी वर्षगांठ पर भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यूपी के तीर्थनगरी काशी, मथुरा और अयोध्या में साल 2025 के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ हैं। वाराणसी में सुबह की आरती देखने करीब 1 लाख से अधिक लोग पहुंचे। हालांकि, आम दिनों में यहां 5 से 10 हजार लोग जुटते हैं। धार्मिक नगरी उज्जैन में नववर्ष को लेकर काफी उत्साह है। लेकिन इस बार शराब बंदी का असर नववर्ष पर होने वाली पार्टियों में देखने को मिल रह है। कई होटल और क्लब में इस बार पार्टी नहीं हो रही है। कश्मीर में अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई अनिश्चितता अब खत्म होती दिख रही है।

नए साल के जश्न से पहले घाटी के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रौनक लौट आई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे विंटर डेस्टिनेशन में होटलों की बुकिंग लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मौसम विभाग के बर्फबारी के पूर्वानुमान ने इस उत्साह को और बढ़ा दिया है। गुलमर्ग के होटल मैनेजर सुहैल अहमद बताते हैं, 'क्रिसमस और अब न्यू ईयर पर 100 प्रतिशत बुकिंग है। घरेलू पर्यटकों ने कश्मीर पर फिर से भरोसा जताया है।' वहीं गुलमर्ग में पौनी (खच्चर) चलाने वाले गुलाम मोहम्मद ने बताया, 'पिछले एक हफ्ते से पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ गई है। अब मैं रोजाना करीब 1,500 रुपए कमा रहा हूं।'

डीआरडीओ का कमाल!

एक लॉन्चर से दागीं बैक टू बैक 2 प्रलय मिसाइल

बालासोर (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बुधवार को ओडिशा तट के पास प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान एक ही लॉन्चर से बैक टू बैक दो प्रलय मिसाइलें (सल्वो लॉन्च) दागी गईं। मिसाइलों की पूरी उड़ान पर नजर रखने के लिए चांदीपुर में स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (ITR) के सेंसर लगाए गए थे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परीक्षण सुबह करीब 10:30 बजे किया गया। जो कि सेना के उपयोग से जुड़ी जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) का हिस्सा था। दोनों मिसाइलें तय किए गए रास्ते पर ठीक तरह से उड़ीं और सफलतापूर्वक लक्ष्य पूरे किए। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की सामरिक मिसाइल क्षमता के लिए एक अहम उपलब्धि बताया है। प्रलय मिसाइल को पूरी तरह स्वदेशी है और DRDO ने ही इसे बनाया है। इससे पहले DRDO ने 28-29 जुलाई को ओडिशा तट पर ही प्रलय मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए थे। ये परीक्षण भी परीक्षण सेना और वायुसेना के उपयोग की जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) के तहत किए गए थे।

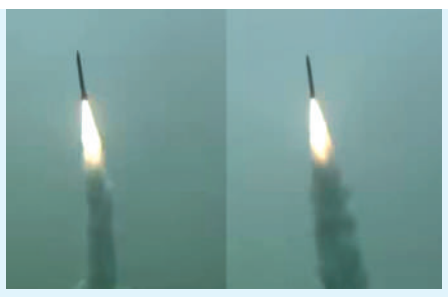

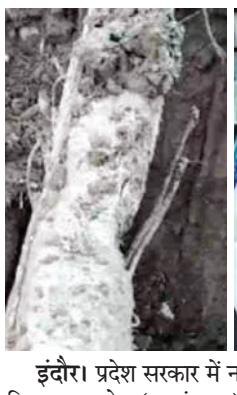

भागीरथपुरा के नलों से निकला जहर

मृतकों की संख्या 9, कई अस्पताल में

हाई कोर्ट में जनहित याचिका, 2 जनवरी तक सरकार से जवाब मांगा,सीएम यादव ने अस्पताल पहुँच कर बीमार लोगों की हालत जानी

इंदौर। प्रदेश सरकार में नगरीय निकाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र (क्रमांक-1) के भागीरथपुरा में गंदा पानी पीने से अभी तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। बुधवार को पांच माह के बच्चे अव्यान साहू समेत 4 लोगों ने दम तोड़ा। परिजनों के मुताबिक, अव्यान को बाहरी दूध पिलाया जाता था, इसमें पानी मिला होता है। सीएम यादव ने अस्पताल पहुँच कर बीमार लोगों की हालत जानी।

बुधवार को अव्यान साहू समेत जिन लोगों की मौत हुई, उनमें गोमती रावत (50), उमा कोरी (31) और संतोष बिगोलिया शामिल हैं। दोनों महिलाएं भाऊ गली की रहने वाली थीं। इससे पहले मंगलवार को नंदलाल पाल (75), उर्मिला यादव (69), उमा कोरी (31), मंजुला पति दिगंबर (74) और सीमा प्रजापति (50) की मौत हुई। गंदे पानी ने 9 की जान ली, जबकि प्रशासन के स्तर पर दूषित पानी से सिर्फ 3 लोगों की मौत की बात सामने आई। गंदे पानी से हुई मौत के आंकड़ों में भी संशय है। पिछले पांच दिनों में करीब 1100 लोगों

को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई और 111 को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना का दोषी जोनल प्रभारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को सस्पेंड कर दिया गया और पीएचई के प्रभारी उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

हाई कोर्ट ने जवाब मांगा - भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश इनाणी ने हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में जनहित याचिका प्रस्तुत की है। इस याचिका पर बुधवार दोपहर सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने 2 जनवरी तक सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के बाद शीतकालीन डिवीजन बेंच ने आदेश जारी करते हुए पीड़ितों के नि:शुल्क इलाज के निर्देश दिए। इन याचिकाओं में दोषी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है। दूषित पानी पीने से अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रारंभिक जांच में शौचालय के नीचे मेन लाइन में लीकेज मिला। समझा जा रहा है कि इसी दूषित पानी के पेयजल की पाइपलाइन में मिला जिससे हादसा हुआ। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख की मदद की घोषणा की, साथ ही भर्ती मरीजों का इलाज मुफ्त किया जा रहा है।

दो निलंबित, एक बर्खास्त- मामले में संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार देर रात जोनल अधिकारी शालिग्राम शितोले और प्रभारी असिस्टेंट इंजीनियर (पीएचई) योगेश जोशी को निलंबित कर दिया। प्रभारी डिप्टी इंजीनियर (पीएचई) शुभम श्रीवास्तव की सेवा समाप्त कर दी गई। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की जांच समिति बनाई गई। इसके अध्यक्ष आईएएस नवजीवन पवार होंगे। समिति में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर प्रदीप निगम और मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शैलेश राय को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा भी की।

पाइप लाइन का टेंडर नहीं खोला

इस इलाके में नई पाइप लाइन के लिए अगस्त 2025 में टेंडर जारी हुआ था, लेकिन इसे अब तक नहीं खोला गया। करीब 2.40 करोड़ रुपए की लागत से नई पाइप लाइन डाली जानी थी। दस्तावेजों में गंदे और दूषित पानी की शिकायतों का उल्लेख भी था। इसके बावजूद अफसरों ने प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई। अब मौतों के बाद आनन-फानन में टेंडर खोला गया।

यह बोले मंत्री और महापौर

प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय घटना के बाद से इलाके में ही हैं। उन्होंने कहा कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, मैं कहीं नहीं जाऊंगा। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल भी जाना। विजयवर्गीय ने कहा कि भागीरथपुरा से पानी के 70 से ज्यादा सैंपल लिए हैं। सभी मरीजों का इलाज सरकार के खर्च पर होगा। जिन लोगों ने इलाज के लिए पहले से पैसे जमा किए हैं, उन्हें रिफंड कराया जाएगा। वहीं, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि घटना के लिए जो भी जिम्मेदार होंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इलाके में 50 टैंकरों से पानी की सप्लाई की जा रही है। नगर निगम ने हेल्पलाइन नंबर (7440440511) भी जारी किया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 25°C न्यूनतम 22°C

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 01 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

रतलाम में इमरान ने सोनू बनकर किया रेप, युवती को पति से अलग कराया, फिर लिव-इन में रखकर शोषण; ड्रग तस्करी में जा चुका जेल

रतलाम (नप्र)। रतलाम में नाम बदलकर युवती से दोस्ती और फिर शादी का झांसा देकर रेप का मामला सामने आया है। आरोपी इमरान ने खुद को सोनू बताकर युवती को फंसाया। उसने पहले महिला को उसके पति से अलग करवाया, फिर लिव-इन में रखकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। आरोपी पूर्व में एमडी ड्रग्स की तस्करी में भी पकड़ा जा चुका है और बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा का पदाधिकारी रह चुका है।

मोबाइल चेक किया तो पता चला मुस्लिम है – औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत पर आरोपी इमरान (पिता मैमुद हुसैन) निवासी शहर सराय के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सोनू बनकर मिला– पीड़िता ने बताया कि 2020 में राम मंदिर क्षेत्र में उसकी पहचान युवक से हुई थी, जिसने अपना नाम सोनू (हिंदू) बताया था। बाद में युवती की शादी कहीं और हो गई।

पति को छुड़वाया– जून 2023 में इमरान ने युवती से दोबारा संपर्क किया और उसे पति को छोड़ने के लिए उकसाया। उसकी बातों में आकर जुलाई 2023 में युवती पति को छोड़कर मायके आ गई।

लिव-इन में रखा– 14 सितंबर 2023 से दोनों नयागांव (साक्षी पेट्रोल पंप के पास) और बाद में आनंद कॉलोनी में पति-पत्नी की तरह किराए से रहने लगे। इस दौरान युवती ने उसका मोबाइल चेक किया, तब पता चला कि वह सोनू नहीं, बल्कि इमरान है।

तलाक होते ही शादी से पलटा, जान से मारने की धमकी – पीड़िता का 8 नवंबर 2024 को पति से तलाक हो गया। जब उसने इमरान से शादी करने को कहा, तो वह मुकर गया। उसने युवती को पत्नी की तरह रखकर लगातार संबंध बनाए। 26 दिसंबर 2025 को जब युवती ने विरोध किया, तो इमरान ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी पर बीएनएस की धारा 64(1), 64(2)(एम) व 351(3) के तहत केस दर्ज किया है।

2 महीने पहले एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ाया था – आरोपी इमरान आदतन अपराधी है। 2 महीने पहले ही स्टेशन रोड थाना पुलिस ने उसे और उसके साथी कयामुद्दीन को 3.7 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था।

वह बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष भी रह चुका है, हालांकि बाद में उसे पद से हटा दिया गया था। ड्रग्स मामले में वह फिलहाल जमानत पर बाहर है। अब पुलिस रेप केस में उसकी तलाश कर रही है।

मप्र के आईएफएस अफसर असित गोपाल बने स्पेशल सेक्रेट्री

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं गोपाल, आईएएस खोंगवार अब महिला-बाल विकास विभाग की एडिशनल सेक्रेट्री

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारियों को 2026 की शुरुआत से पहले नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। केंद्रीय नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद यह आदेश जारी किए गए हैं। इनमें मध्यप्रदेश कैडर के दो अधिकारी एक आईएएस और एक आईएफएस भी शामिल हैं। ये अधिकारी हैं केरालिन खोंगवार और असित गोपाल। एमपी कैडर की 1996 बैच की आईएएस अधिकारी केरालिन खोंगवार देशमुख को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेट्री के पद से हटाकर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेट्री के रूप में पदस्थ किया गया है। वहीं, 1990 बैच के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी असित गोपाल को पदोन्नति देते हुए टेक्सटाइल मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेट्री और फाइनेंशियल एडवाइजर से बढ़ाकर स्पेशल सेक्रेट्री और फाइनेंशियल एडवाइजर नियुक्त किया गया है।

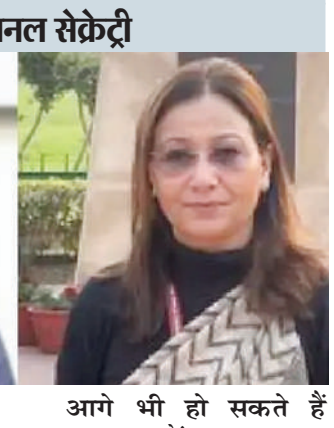

इन दोनों अधिकारियों सहित कुल 40 अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। यह आदेश डीओपीटी (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) ने केंद्रीय नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद जारी किए हैं।

आगे भी हो सकते हैं बदलाव – केंद्र सरकार 31 दिसंबर की शाम तक अन्य राज्यों के साथ-साथ मध्यप्रदेश कैडर के अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव से जुड़े और आदेश जारी कर सकती है। इनमें आईएएस, आईपीएस और आईएफएस कैडर के अधिकारी शामिल हो सकते हैं।

महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी करता, फिर पहनकर सोता

भागते समय आरोपी का श्रमिक कार्ड घर में गिरा, उसमें लिखे नाम से पकड़ा आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल की कोलार पुलिस ने एक अजीबोगरीब चोर को पकड़ा है। आरोपी महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी करता, फिर खुद पहनकर घूमता था। मंगलवार रात वह अमरनाथ कॉलोनी में रहने वाले एक डेरी संचालक के घर घुसा और बालकनी से महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चुरा लिए। डेरी संचालक के मुताबिक, रात करीब 12:30 बजे बालकनी में परछाई दिखी। गेट खोलकर ललकारने पर आरोपी अंडर गारमेंट्स लेकर भाग गया, लेकिन भागते समय उसका श्रमिक कार्ड घर में गिर गया, जिस पर नाम दीपेश लिखा था। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने बुधवार दोपहर आरोपी को उसके घर से पकड़ लिया। पुलिस की दबिश के दौरान आरोपी सो रहा था और चोरी किए गए अंडरगारमेंट्स उसने पहन रखे थे। इसका वीडियो भी सामने आया है।

पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने इससे पहले मंदाकिनी कॉलोनी के एक अन्य घर में भी चोरी की थी। भागते समय वहां से चुराए गए अंडरगारमेंट्स उनके घर में छूट गए, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है।

आरोपी में फेटिशिज्म और वैंडलिज्म जैसी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां – जेपी अस्पताल के क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. राहुल शर्मा के अनुसार, आरोपी में फेटिशिज्म और वैंडलिज्म जैसी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां हो सकती हैं। ऐसे व्यवहार के पीछे महिलाओं के प्रति आक्रोश या नकारात्मक भावनाएं भी कारण हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में मनोवैज्ञानिक इलाज और काउंसलिंग जरूरी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

100 एमजी से ज्यादा वाली निमेसुलाइड दवा बैन

सरकार ने बनाने और बेचने दोनों पर लगा दी है रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली निमेसुलाइड दवा के 100 मिलीग्राम से अधिक डोज की सभी ओरल (खाने वाली) दवाओं की मैन्यूफैक्चरिंग और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक

निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है। जो दर्द तो कम करती है लेकिन इसकी ज्यादा डोज से लिवर खराब होने का खतरा रहता है। यह प्रतिबंध केवल अधिक डोज (100 मिलीग्राम) वाली निमेसुलाइड पर लागू होगा। जबकि कम डोज की दवाएं मिलती रहेंगी। निमेसुलाइड ब्रांड बेचने वाली दवा कंपनियों को अब ज्यादा डोज वाली दवाओं का प्रोडक्शन बंद करना होगा।

समाज के प्रमुख जनों से संवाद करेंगे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी

भोपाल में दो दिवसीय प्रवास पर समाज के प्रमुख जनों, सामाजिक-धार्मिक नेतृत्व, युवा और मातृशक्ति के साथ संवाद के कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के प्रसंग पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का देशभर में प्रवास हो रहा है। इसी श्रृंखला में उनका दो दिवसीय प्रवास 2-3 जनवरी, 2026 को मध्यभारत प्रान्त के भोपाल विभाग केंद्र पर रहेगा। इस दौरान चार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे- 2 जनवरी को युवा संवाद और प्रमुखजन गोष्ठी एवं 3 जनवरी को सामाजिक सद्भाव बैठक और शक्ति संवाद।

इस कार्यक्रमों में सरसंघचालक डॉ. भागवत जी आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा का उल्लेख करने के साथ ही वर्तमान परिस्थितियों पर भी चर्चा करेंगे। अपने इस प्रवास के दौरान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी 2 जनवरी को भोपाल में आयोजित प्रान्त स्तर के 'युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सुबह 9:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। युवा संवाद में प्रान्त के सभी 31 जिलों (शासकीय रचना के 16 जिलों) के ऐसे युवा शामिल हो रहे हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है और उपलब्धियां अर्जित की हैं।

इसी दिन शाम 5:30 बजे से रविन्द्र भवन के 'हँस ध्वनि सभागार' में 'प्रमुखजन गोष्ठी' का आयोजन है। इस गोष्ठी में भोपाल विभाग से विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय प्रमुखजनों को आमंत्रित किया गया है। इसी क्रम में 3 जनवरी को सुबह 9:30 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'सामाजिक सद्भाव बैठक' आयोजित है। इसमें विभिन्न समाज के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में शामिल होने के लिए प्रान्त के सभी जिलों से लोग भोपाल पहुँच रहें। इसी दिन शाम को 5:00 बजे से भोपाल की प्रमुख मातृशक्ति के साथ 'शक्ति संवाद' कार्यक्रम आयोजित है। सभी कार्यक्रमों में चयनित लोगों को आमंत्रित किया गया है। शताब्दी वर्ष में लोगों के मन में संघ के बारे में जानने की रुचि एवं जिज्ञासा बहुत बढ़ गई है। सरसंघचालक जी के इस प्रवास से लोगों को संघ के बारे में तथ्यात्मक और वास्तविक जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही देश-समाज के निर्माण में हमारी क्या भूमिका हो सकती है? इस बिंदु पर पाथेय भी मिलेगा।

नए साल के जश्न से पहले 150 किलो विस्फोटक पकड़ा

- राजस्थान में यूरिया खाद की बोरियों में छुपा रखा था ओमनियम नाइट्रेट

टोंक (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक में कार से 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) ले जा रहे 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि ये अमोनियम नाइट्रेट टोंक में ही सप्लाई होना था। मामला बरौनी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 स्थित चिरौंज गांव का है। कार सवार लोगों ने यूरिया खाद के कट्टों में इस विस्फोटक को छुपा कर रखा था, ताकि पकड़ में नहीं आ सके। डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया-

ये अमोनियम नाइट्रेट किसी भी विस्फोट की घटना को अंजाम देने में काफी है। इसकी जांच की जा रही है कि इन लोगों ने विस्फोटक कहां से, किससे खरीदा था और किसे सप्लाई करने वाले थे। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया-हाईवे पर नाकाबंदी थी। सुबह 9 बजे बूंदी से टोंक की तरफ एक सियाज कार जा रही थी। इसमें यूरिया खाद के कट्टे भर रखे थे। टीम को कार सवार संदिग्ध लगे तो इसका पीछा किया। इस पर कार सवार सुरेंद्र (48) और सुरेंद्र मोची (33) निवासी करवर (बूंदी) हाईवे से चिरौंज गांव की तरफ भागने लगे। टीम ने पीछा कर पकड़ा।

ससुर ने नहीं दिया खर्चा तो बहू ने दी मौत

खटिया के पाए से किया हमला, लाश छुपाकर मिटाए खून के निशान

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा जिले के लावाघोघरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक हत्याकांड की आरोपी बहू निकली है। हैरानी की बात यह रही कि आरोपी बहू वारदात के बाद ससुर के शव के पास रोती-बिलखती नजर आई, ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

हनुमान मंदिर के पास मिला था शव –यह मामला 28 दिसंबर 2025 का है। ग्राम लावाघोघरी के रहने वाले जितेंद्र आर्मे ने थाना पहुंचकर पुलिस को बताया कि उनके पिता कृष्णराव आर्मे (उम्र 65 वर्ष) का शव घर के पास पड़ा हुआ है। शव उनके कच्चे मकान और वन विभाग की दीवार के बीच बनी एक संकरी गली में मिला। जितेंद्र ने बताया कि पिता के मुंह और नाक से खून निकल रहा था, जिससे मौत संदिग्ध लग रही थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी आफताब खान पुलिस बल और जांच किट के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी।

फारेंसिक जांच से खुला राज – मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अजय पांडे और एएसपी आशीष खरे ने मौके पर एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को भेजा। जांच में मिले सबूतों के आधार पर पुलिस ने पुष्टि की कि अज्ञात व्यक्ति ने बोथले हथियार से सिर और शरीर पर गंभीर चोटें पहुंचाकर बुजुर्ग की हत्या की थी। इसके बाद थाना लावाघोघरी में अपराध क्रमांक 170/25, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पैसों के विवाद में बहू ने की हत्या – एएसपी आशीष खरे ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से गहन पूछताछ की। जांच में सामने आया कि 27 दिसंबर की रात कृष्णराव खाना खाकर अपने पुराने कच्चे मकान में सोने जा रहे थे।

खालिदा जिया के अंतिम विदाई में शामिल होने पहुंचे जयशंकर

पति की कब्र के पास दफनाया , जनाजे में 10 लाख लोग पहुंचे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की नमाज-ए-जनाजा बुधवार दोपहर ढाका के मानिक मियां एवेन्यू पर अदा की गई। इस दौरान अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी मौजूद रहे। जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कई विदेशी मेहमान भी ढाका आए हैं। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका पहुंचे। जिया को संसद परिसर स्थित जिया उद्यान में उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास दफनाया गया। उनके जनाजे में शामिल होने के लिए देशभर से 10 लाख लोग जुटे। खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 80 साल की उम्र में निधन हुआ। वह पिछले करीब 20 दिनों से अस्पताल में वेंटीलेटर पर थीं। उनके निधन पर बांग्लादेश सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। इस दौरान पूरे देश में सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

ठंड का कहर, कांप रहे गांव और शहर

- एमपी में टेम्परेचर 1.7 डिग्री, छत्तीसगढ़ में ओस जमी
- जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। इसका असर मैदानी राज्यों पर नजर आ रहा है। जम्मू-कश्मीर की सोनमर्ग टनल के पास तेज बर्फबारी हुई। हिमाचल में के लाहौल स्पीति में 30 दिसंबर की शाम से बर्फबारी जारी है। यहां तापमान -10 डिग्री तक जा सकता है। मध्य प्रदेश में शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 1.7 डिग्री रहा। छत्तीसगढ़ के मैनपाट में रात का तापमान 2 डिग्री पहुंचा। अंबिकापुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में ओस जम गई। 4 संभाग कोल्ड वेव की चपेट में हैं। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच 2 दिन बारिश की भी चेतावनी है।

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह घनी धुंध के साथ हुई। दिल्ली के कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य रही। एयरपोर्ट पर आज 148 फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। 150 फ्लाइट देरी से ऑपरेट हो रही हैं। एयरपोर्ट ने यात्रियों को एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि नियम लागू किया गया है। फ्लाइट्स में देरी हो सकती है। फ्लाइट कैंसिल भी हो सकती हैं।

गणतंत्र दिवस पर सेना की पशु टुकड़ी भी करेगी परेड

- बैक्ट्रियन ऊंट, जांस्कर टट्टू, रैप्टर्स और डॉग करेंगे मार्च
- दुर्गम इलाकों में सैनिकों के हैं मददगार, बड़ी है भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस 2026 की परेड में इस बार सेना की पशु टुकड़ी भी मार्च करेगी। इसके लिए पहली बार सेना की रीमाउंट एंड वेटरनरी कॉर्प्स की टुकड़ी को विशेष रूप से चुना गया है। इसका उद्देश्य देश की सबसे कठिन सीमाओं की रक्षा में पशुओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सामने लाना है। इस टुकड़ी में दो बैक्ट्रियन ऊंट, चार जांस्कर टट्टू (पोनी), चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स), भारतीय नस्ल के 10 सेना के कुत्ते, तथा वर्तमान में सेवा में तैनात छह पारंपरिक सैन्य कुत्ते शामिल होंगे। ये सभी मिलकर भारतीय सेना के संचालन तंत्र में परंपरा, नवाचार और आत्मनिर्भरता का संगम प्रस्तुत करेंगे। टुकड़ी का नेतृत्व मजबूत बैक्ट्रियन ऊंट करेंगे। इन्हें हाल ही में लद्दाख के ठंडे इलाकों के ऑपरेशंस के लिए शामिल किया गया है। अत्यधिक ठंड, कम ऑक्सीजन और 15,000 फीट से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूल ये ऊंट 250 किलोग्राम तक भार उठा सकते हैं और कम पानी व चारे में लंबी दूरी तय कर सकते हैं। इनके शामिल होने से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर रेतीले और खड़ी ढलानों वाले इलाकों में रसद सहायता और गश्त की क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। मार्च में जांस्कर टट्टू भी होंगे जो लद्दाख की दुर्लभ प्रजाति है।

जम्मू-कश्मीर में 2025 में 46 आतंकी मारे, 3 जवान शहीद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में साल 2025 में सुरक्षाबलों ने 35 घटनाओं में 46 आतंकियों को मार गिराया। इनमें पहलगाम हमले में शामिल आतंकी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा, हमजा अफगानी और जिब्रान भी शामिल हैं। उनका एनकाउंटर 28 जुलाई को किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक इस साल 3 जवान शहीद हुए। फरवरी में अखनूर सेक्टर में आईईडी ब्लास्ट हुआ, 2 जवान शहीद हुए। अप्रैल में उधमपुर के बसंतगढ़ में एक जवान शहीद हुआ था। कश्मीर फ्रंटियर ने बताया कि बॉर्डर पर घुसपैठ की 4 बार कोशिश हुई। इनमें 13 आतंकी शामिल रहे, इनमें से 8 आतंकी मारे गए। 5 आतंकी खदेड़े गए। इस साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ। 22 अप्रैल को पहलगाम में 25 टूरिस्ट्स और एक लोकल की आतंकियों ने जान ली थी।

इसके जवाब में भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

भोपाल में पानी की जांच करने पहुंची टीम

दूषित पानी से इंदौर में 9 मौतों के बाद अलर्ट, मेयर ने इंजीनियरों को निरीक्षण करने को कहा

भोपाल (नप्र)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 9 मौतें हो चुकी हैं। इसके बाद भोपाल नगर निगम भी अलर्ट हो गया है। महापौर मालती राय ने सभी इंजीनियरों को निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। जिससे पता चल सके कि कहीं दूषित पानी की सप्लाई तो नहीं की जा रही है।

महापौर राय ने सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और सुपरवाइजरों को निरीक्षण करने को कहा है। वहीं, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को नजर रखने को कहा है। निरीक्षण के बाद रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए हैं।

अवधपुरी में पानी की जांच- 8 महीने पहले अवधपुरी में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सप्लाई अचानक बंद हो गई थी। जांच में सामने आया कि इलाके में एक प्राइवेट वेंडर द्वारा नाले से जुड़ा खुदाई कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान भूमिगत पीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे गैस सप्लाई बाधित हुई। इस तरह की स्थिति पीने की पाइप लाइन में तो नहीं, इसे जांचने के लिए बुधवार को नगर निगम की टीम अवधपुरी पहुंची। कुछ घरों से पानी के सैंपल भी लिए गए हैं। बता दें कि सीवेज संबंधित कई शिकायत हर रोज नगर निगम में आती हैं। ऐसे में डर है कि कहीं सीवेज पीने के पानी में तो नहीं मिल रहा? इसकी जांच के लिए टीमें मैदान में उतरी है।

3 साल पहले भोपाल में हो चुका हादसा- करीब 3 साल पहले भोपाल में बड़ा हादसा हो चुका है। ईदगाह हिल्स स्थित मदर इंडिया कॉलोनी में बुधवार रात क्लोरीन गैस के रिसाव से हड़कंप मच गया था।

एक्ट्रेस नुसरत भरुचा के महाकाल दर्शन पर भड़के मौलाना

रजवी बोले- शरीयत की नजर में गुनहगार है; संत ने बताया घर वापसी

उज्जैन (नप्र)। बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा के महाकाल मंदिर दर्शन करने पर विवाद खड़ा हो गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, नुसरत ने उज्जैन मंदिर में धार्मिक परंपरा निभाई, जल चढ़ाया, यह तमाम चीजें इस्लाम के खिलाफ हैं। शरीयत की नजर में नुसरत गुनहगार हैं, उनको तौबा करनी चाहिए। सोनू के टीटू की स्वीटी, प्यार का पंचनामा, ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों में अभिनय करने वाली प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरुचा मंगलवार को महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में शामिल हुई थीं। इस दौरान नुसरत ने जल अर्पित कर भगवान महाकाल का प्रसाद ग्रहण किया। इधर, मौलाना के नुसरत को इस्लाम धर्म का पाठ पढ़ाने से उज्जैन के कई संत नाराज हो गए हैं। उन्होंने नुसरत के महाकाल मंदिर के दर्शन करने को गंगा जमुना तहजीब और घर वापसी बताकर मौलाना को ऐसे मामले से दूर रहने की सलाह दी है।

मौलाना की प्रतिक्रिया पर संतों का गुस्सा फूटा

महंत विशाल दास ने कहा, कोई व्यक्ति स्वेच्छा से घर वापसी कर रहा है तो मौलवी के पेट क्यों दुख रहा है। लड़कियां जलालत भरी जिंदगी से बाहर निकल रही है और महाकाल के दर्शन कर वहां शीश झुका रही हैं, तो आपको गर्व होना चाहिए। ऐसे मौलवी को हिदायत किसी को धर्म सौंपने की कोशिश नहीं करें, नहीं तो महाकाल बैठे हैं अपने त्रिशूल को लेकर, मौलाना अपनी बयानबाजी बंद करें। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के महंत सत्यानंद ने कहा कि भारतीय फिल्म अभिनेत्री का महाकाल आना शहाबुद्दीन को अच्छा नहीं लगा, आप गंगा जमुना तहजीब की बात करते हैं, सनातन में आस्था रख रही हैं। इस तरह फतवा जारी नहीं करना चाहिए।

नुसरत को पश्चाताप करना चाहिए- मौलाना रजवी ने कहा, एक मुस्लिम महिला का मंदिर जाना और धार्मिक अनुष्ठान करना शरीयत और इस्लाम के खिलाफ है। मुस्लिम होने के नाते, महाकाल मंदिर में जल अर्पित कर और धार्मिक परंपराओं का पालन कर नुसरत इस्लाम के सिद्धांतों का उल्लंघन कर रही हैं, उन्हें पश्चाताप करना चाहिए।

नुसरत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी- दाऊदी बोहरा समाज से आने वाली नुसरत ने अब तक इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि नुसरत ने महाकाल मंदिर दर्शन के दौरान बताया था कि वे दूसरी बार आई हैं और आगे भी आएंगी। नुसरत ने खुद अपनी यात्रा को शांतिपूर्ण और सकारात्मक अनुभव बताया है और मंदिर की व्यवस्था की तारीफ भी की।

घना कोहरा, खजुराहो सबसे ठंडा

रीवा में धुंध, 20 मीटर रह गई विजिबिलिटी, कई ट्रेनें लेट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में तेज ठंड और कोहरा बना हुआ है। बुधवार सुबह दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें लेट थी। भोपाल में सुबह 7.25 बजे आने वाली मालवा एक्सप्रेस करीब साढ़े 4 घंटे लेट है। शताब्दी, सचखंड समेत अन्य ट्रेनों पर भी असर पड़ रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को एमपी में जेट स्ट्रीम (ठंडी-गर्म हवा का नदी जैसा बहना) की रफ्तार 259 किमी पहुंची है। इस वजह से रात के तापमान में गिरावट आई है। बुधवार को भी जेट स्ट्रीम तेजी से बहेगी। जिसका असर प्रदेश में देखने को मिलेगा।

प्रदेश में सबसे ठंडा खजुराहो-

रीवा, दतिया और ग्वालियर में सुबह घना कोहरा रहा। दतिया और ग्वालियर में विजिबिलिटी 50 मीटर, तो वहीं रीवा के एमपी-यूपी बॉर्डर पर मौजूद सोहागी घाटी में सुबह 9 बजे विजिबिलिटी 20 मीटर रही। नौगांव, सतना, सीधी, भोपाल, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, खजुराहो, मंडला, गुना, खरगोन, राजगढ़ और दमोह में भी कोहरा रहा।

खजुराहो सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 4.2 डिग्री दर्ज किया गया। नौगांव में 4.4 डिग्री, उमरिया में 5.2 डिग्री, रीवा में 5.4 डिग्री, पचमढ़ी में 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों में इंदौर सबसे ठंडा रहा। पारा 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल में 9 डिग्री, उज्जैन में 9.8 डिग्री और जबलपुर में 8.2 डिग्री रहा। करीब 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। इससे पहले शहडोल के कल्याणपुर में पारा रिकॉर्ड 1.7 डिग्री रह चुका है।

रीवा में 20 मीटर रही विजिबिलिटी- रीवा के एमपी-यूपी बॉर्डर पर मौजूद सोहागी घाटी में धुंध की वजह से आवागमन मुश्किल हो गया है। सुबह साढ़े 9 बजे विजिबिलिटी 20 मीटर भी नहीं है। नए साल में सैकड़ों लोग खतरनाक और हादसों की घाटी माने जानी वाली सोहागी घाटी होकर प्रयाग स्नान के लिए और अयोध्या दर्शन के लिए जा रहे हैं। लेकिन कोहरे ने उनकी राह मुश्किल कर दी है। आज का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

कोहरे की वजह से मालवा, शताब्दी जैसी ट्रेनें भी लेट

कोहरे की वजह से दिल्ली से भोपाल, इंदौर की तरफ आने वाली मालवा, शताब्दी, सचखंड, कर्नाटका एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें भी हर रोज लेट हो रही है।
आज भी ये ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से है। छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, भोपाल, उज्जैन, इंदौर समेत कई शहरों में आज सुबह भी कोहरे का असर देखने को मिल रहा है।

डबरा में रोलर्स कारोबारी ने जमा किए एक करोड़

- **सीजीएसटी की छापेमारी के बाद खुलासा, भोपाल में स्टेट जीएसटी ने पकड़ी करोड़ों की चोरी**

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्वालियर जिले के डबरा और राजधानी भोपाल में छापेमारी की। डबरा में सीजीएसटी की टीम ने एक स्मेल्टर्स और रोलर्स कारोबारी के यहां छापा मारकर करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी का खुलासा किया, वहीं भोपाल के बंसल वन स्थित एक रेस्टोरेंट और बार में स्टेट जीएसटी की टीम ने मंगलवार दिनभर जांच की। सीजीएसटी अधिकारियों के अनुसार ग्वालियर जिले के डबरा क्षेत्र में गोपनीय सूचना के आधार पर मेसर्स ओम स्मेल्टर्स एंड रोलर्स प्राइवेट लिमिटेड के यहां छापेमारी की गई। भर्तृहरि गांव में की गई इस कार्रवाई के दौरान जांच टीम ने पाया कि संबंधित कारोबारी ने सीजीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 16 का उल्लंघन किया है।

- **भोपाल में रेस्टारेंट-बार पर स्टेट जीएसटी की जांच-** दूसरी ओर राजधानी भोपाल में रानी कमलापति स्टेशन के पास बंसल वन बिल्डिंग स्थित द रास्ता हाउस और माय बार के संचालकों के यहां स्टेट जीएसटी की टीम ने मंगलवार को दिनभर जांच की। इससे पहले सोमवार शाम करीब दो घंटे तक जांच के बाद दोनों प्रतिष्ठानों को बंद करा दिया गया था। इसके बाद मंगलवार को देर रात तक दस्तावेजों और रिकॉर्ड की गहन जांच चलती रही।

कारोबारी ने जमा किए 1.05 करोड़

जांच के दौरान सीजीएसटी भोपाल की जांच शाखा की टीम के सामने कारोबारी ने अनियमितता स्वीकार की। कार्रवाई में अनियमित आईटीसी लाभ और तैयार माल के कम स्टॉक का खुलासा हुआ, जिसके बाद कारोबारी ने स्वेच्छा से 1.05 करोड़ रुपए का भुगतान तत्काल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

दोस्त की कनपटी-पीठ और प्राइवेट पार्ट में गोली मारी

पहले शराब पार्टी, फिर हरियाणा के हिस्ट्रीशीटर का मर्डर किया; अर्धनग्न लाश 25 फीट नीचे फेंकी

रायसेन (नप्र)। जिस दोस्त ने दारू पार्टी में बुलाया, उसी ने पूरी प्लानिंग के साथ मौत के घाट उतार दिया। बदले की आग में दोस्ती की हर हद तोड़ते हुए पहले कनपटी पर गोली मारी, जिससे दोनों आंखें बाहर निकल आईं। इसके बाद शर्ट उतारकर पीठ में गोली दागी, फिर आखिरी में पैंट निकालकर प्राइवेट पार्ट में गोली मारी और अर्धनग्न लाश को 25 फीट गहरी खाई में फेंक दिया। रायसेन एसपी आशुतोष गुप्ता ने सोनीपत हरियाणा के हिस्ट्रीशीटर विवेक उर्फ अविनाश शर्मा की इस निर्मम हत्या का मंगलवार को खुलासा करते हुए यह बताया। पुलिस ने हत्या के मास्टरमाइंड बंटी फौजी उर्फ अमित जाट समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी फरार है।

बदला लेने रची थी साजिश

एसपी आशुतोष गुप्ता के मुताबिक, मुख्य आरोपी बंटी सीहोर जिले बाबई क्षेत्र में एक मछली फार्म का ठेका लिए हुए था। 20 दिन पहले उस पर बंदूक से हमला हुआ था, जिसमें वह घायल हुआ। जांच-पड़ताल में बंटी को यह शक हुआ कि हमले के पीछे उसका दोस्त विवेक उर्फ अविनाश शर्मा है। यहीं से बदले की साजिश रची गई। साजिश के तहत शुक्रवार शाम बंटी ने अपने पांच साथियों के साथ विवेक को सतलापुर थाना क्षेत्र के लोरका पिपलिया रोड स्थित खेत के मकान में दारू पार्टी के बहाने बुलाया। रात तक पार्टी चली। इसके बाद सभी अपने-अपने घर के लिए निकले। विवेक अपनी कार से नर्मदापुरम के लिए रवाना हुआ। आधी रात को रास्ते में पहले से मौजूद बंटी फौजी उर्फ अमित जाट ने अपने साथी नीरज मीना विवेक शर्मा को रोका। उसके रुकते ही कनपटी पर बंदूक रख दी। विवेक मौत की भीख मांगने लगा, मगर आरोपियों ने एक नहीं सुनी और गोली सिर में दाग दी। गोली सिर के आर-पार हो गई और उसकी दोनों आंखें बाहर निकल आईं। इसके बाद एक गोली पीठ में मारी। आरोपी इतने पर ही नहीं रुके उन्होंने पैंट उतारी और प्राइवेट पार्ट पर गोली दाग दी। इसके बाद लाश को डिग्गी में भरकर सीहोर जिले के शाहगंज क्षेत्र के बहोटा घाट के जंगल पहुंचे। यहां करीब 25 फीट गहरी खाई में उसे फेंक दिया। बॉडी पत्थरों के बीच में गिरी।

स्वास्थ्य मानकों में निरंतर सुधार और स्वास्थ्य सेवाएं हो रही हैं व्यापक एवं सुदृढ़ : उप मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं

- **स्वास्थ्य अमले को सतत प्रयासों के लिए दी बधाई, समर्पण के साथ सेवा जारी रखने का किया आह्वान**

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में देश वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है, भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और विश्वगुरु बनने के लक्ष्य के और निकट पहुँच चुका है। इसी राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप मध्यप्रदेश स्वास्थ्य क्षेत्र में सशक्त, सक्षम और सुदृढ़ता की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है। स्वास्थ्य मानकों में निरंतर सुधार और स्वास्थ्य सेवाएं व्यापक एवं सुदृढ़ हो रही हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट चिकित्सा उपकरणों, एमआरआई, सीटी स्कैन, कैथ लैब, लिनियर एक्सेलेरेटर, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, डायलिसिस यूनिट और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का तीव्र विस्तार किया गया है।

1 जनवरी से बदलेगी 26 ट्रेनों की टाइमिंग

भोपाल-इंदौर इंटरसिटी अब 10 मिनट लेट रवाना होगी; क्या रहेगा नया शेड्यूल

भोपाल (नप्र)। नए साल के पहले दिन यानी, 1 जनवरी से भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) से आने-जाने वाली 26 ट्रेनों की टाइमिंग बदलेगी। रेलवे ने नया शेड्यूल जारी कर दिया है। भोपाल-इंदौर इंटरसिटी अब 10 मिनट लेट रवाना होगी। जयपुर, जोधपुर, रीवा, अगरतला, ग्वालियर, बिलासपुर, बीना, कोटा, मैसूर, दरभंगा, दिल्ली, कन्याकुमारी, पटना, प्रयागराज समेत कई जगहों पर जाने वाली ट्रेनों की टाइमिंग भी बदली गई है।

रेलवे ने नई समय सारणी भी जारी कर दी है। हालांकि, भोपाल के तीनों स्टेशन से आने-जाने वाली ट्रेनों में 5 से 15 मिनट का बदलाव किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया, 1 जनवरी से लागू नई समय-सारणी अनुसार विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ियों के आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन एवं मंडल में अधिकांश गाड़ियों की औसत गति बढ़ने से समय की बचत होगी।

कई ट्रेनों की स्पीडिंग अप भी की- प्रबंधक कटारिया ने बताया, टाइमिंग के बदलाव के अलावा पश्चिम मध्य रेलवे एवं भोपाल मंडल पर अधिकांश ट्रेनों स्पीडिंग अप भी किया गया है।

अब ये रहेगी ट्रेनों की टाइमिंग

- गाड़ी संख्या 22145 भोपाल-रीवा एक्सप्रेस, भोपाल रेलवे स्टेशन से रात 11.05 बजे की बजाय रात 11 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 19324 भोपाल-डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस, भोपाल स्टेशन से शाम 5 बजे की बजाय शाम 5 :10 बजे प्रस्थान करेगी
- गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस, भोपाल स्टेशन से शाम 4 :55 बजे की बजाय 4 :40 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से रात 10 बजे की बजाय रात 9 :55 बजे प्रस्थान करेगी
- गाड़ी संख्या 12197 भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस, भोपाल स्टेशन से दोपहर 1 :15 बजे की बजाय दोपहर 1 :10 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 19712 भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस, भोपाल स्टेशन से शाम 4 :35 बजे की बजाय शाम 4 :30 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस, रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 3 :50 बजे की बजाय 3 :40 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल, रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 3 :40 बजे की बजाय 3 :20 बजे प्रस्थान करेगी।

उज्जैन में पहली बार गूगल मैप से क्राउड मैनेजमेंट

भीड़ भरे रास्ते को ब्लॉक कर दिखा रहे वैकल्पिक रूट; सीधे पार्किंग तक पहुंच रहे श्रद्धालु

उज्जैन (नप्र)। 2025 की विदाई और 2026 के स्वागत के लिए उज्जैन में लगातार भीड़ उमड़ रही है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित मध्य प्रदेश के अलग-अलग शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

स्थानीय प्रशासन का दावा है कि उज्जैन में प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु आ रहे हैं। सामान्य दिनों में रोजाना करीब 6 हजार फोर व्हीलर वाहन उज्जैन आते हैं। फिलहाल, यह संख्या बढ़कर 12 हजार तक पहुंच गई है। ऐसे में जाम की स्थिति से बचने के लिए पहली बार उज्जैन पुलिस ने गूगल मैप में तकनीकी बदलाव कर हाईटेक क्राउड मैनेजमेंट शुरू किया है।

पुलिस ने गूगल मैप के जरिए हैवी ट्रैफिक वाले रूट को ब्लॉक कर मंदिर की ओर आने वाली भीड़ को शहर के भीतर

प्रवेश करने से रोका है। इसके लिए गुरुग्राम की इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी, साइबर टीम और पुलिस के 10 सदस्यों की संयुक्त टीम ने गूगल के एल्गोरिदम में बदलाव किया है। यह टीम किसी भी सड़क पर जाम की स्थिति बनते ही तत्काल उस मार्ग को गूगल मैप से ब्लॉक कर देती है और वैकल्पिक खाली मार्ग को सक्रिय कर देती है। इससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को शहर के भीतर जाने का मार्ग दिखाई नहीं देता और वे सीधे निर्धारित पार्किंग तक पहुंच जाते हैं। सीनियर अफसरों का कहना है कि यदि यह योजना पूरी तरह सफल रहती है, तो सिंहस्थ 2028 में भी इसे लागू किया जा सकता है।

मैप पर वही रूट दिखता है, जो पुलिस तय करती है- सीएसपी राहुल देशमुख ने कहा- चार धाम स्मार्ट पार्किंग और हरसिद्धि मंदिर की पाल के पास बनी पार्किंग महाकाल मंदिर के सबसे नजदीक हैं। यहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु गूगल मैप के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों से शहर में प्रवेश कर जाते थे, जिससे जाम की स्थिति बनती थी। इससे बचने के लिए तकनीकी डेटा का उपयोग कर वाहनों को भीड़भाड़ वाले मार्गों पर जाने से रोक दिया जाता है। गूगल मैप पर श्रद्धालुओं को वही डेडिकेटेड रूट दिखाया जाता है, जो उन्हें संकरे रास्तों और शहर के अंदरूनी क्षेत्रों से बचाते हुए सीधे बाहरी मार्गों से पार्किंग तक पहुंचाता है।

आईटी कंपनी के साथ रियल टाइम ट्रैफिक की निगरानी

सीएसपी देशमुख ने बताया- पुलिस की 10 सदस्यीय टीम सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक रियल टाइम ट्रैफिक की निगरानी करती है। जिस मार्ग पर यातायात बढ़ता है या जाम की स्थिति बनती है, उसे तुरंत डायवर्ट कर दिया जाता है।इसके बाद गूगल मैप पर उस रूट को हटा दिया जाता है और श्रद्धालुओं को केवल वही वैकल्पिक मार्ग दिखाया जाता है, जिससे वे सीधे पार्किंग तक पहुंच सकें। इसके लिए गुरुग्राम की एक आईटी कंपनी को हायर किया है। यह कंपनी गूगल के एल्गोरिदम के जरिए केवल खाली रूट को ही दिखाती है।

संपादकीय

स्वच्छ शहर में दूषित जल से मौतें !

वर्ष 2025 की विदाई बेला में देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की भागीरथपुरा बस्ती में दूषित जल से 9 लोगों की जान जाना और दो सौ से अधिक लोगों का बीमार होना इस बात की पुष्टि करता है कि बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की दृष्टि से हम कहां खड़े हैं। इस घटना ने इंदौर की स्वच्छ छवि को भी बट्टा लगा दिया है। हालांकि इस दुखद हादसे के बाद प्रशासन कड़ी कार्रवाई कर रहा है, लेकिन साफ पानी के अभाव में जिन बेगुनाहों की जान चली गई, उनका क्या? इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की लापरवाही, अव्यवस्था और संवदेनहीनता सामने आई है। क्योंकि स्वास्थ्य विभाग अभी भी दूषित जल पीने से तीन मौतों को स्वीकार कर रहा है। हालांकि भागीरथपुरा की यह अवैध बस्ती है। फिर भी एक नागरिक की हैसियत से यहां रहने वाले लोग साफ पानी के हकदार तो हैं हीं। लेकिन यह बस्ती पूरी तरह प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार रही है। यूं गंदे पानी की समस्या इंदौर के कई हिस्सों में है, लेकिन भागीरथपुरा में तो नर्मदा पाइप लाइन पर शौचालय बन गया और उसका पानी पेयजल लाइन में मिलता है। वहां लगी बरसों पुरानी पाइप लाइनों में जहरीला पानी बह रहा है, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। मानों उन्हें लोगों के मरने का ही इंतजार रहा हो। जबकि स्थानीय रहवासी गंदे पानी की शिकायत लंबे समय से करते आ रहे थे। किसी जमाने में इस बस्ती में भट्टे होते थे। जब भट्टे बंद हुए तो भूमाफिया ने प्लॉट बेचना शुरू किए। 1975 के आसपास यहां बसाहट शुरू हुई। न ड्रेनेज लाइन बिछी थी न पानी का पता। घनी बसाहट हो गई और लोग 'वोटबैंक' बन गए तो चुनाव जीतने वालों ने काम शुरू किए, लेकिन कोई प्लानिंग नहीं की। बेकलेन थी नहीं तो सड़क के आसपास ही नर्मदा और ड्रेनेज लाइन डाल दी गई। बताया जाता है कि भागीरथपुरा में गंदे पानी की समस्या सालभर से है। यहां की लाइनें 30 साल से ज्यादा पुरानी हैं और कमजोर हो चुकी हैं। भागीरपुरा से जुड़ा नगर निगम का जोन शिकायतों में शहर में दूसरे स्थान पर है। दो माह में सबसे ज्यादा गंदे पानी की शिकायतें मिलीं, लेकिन अफसरों ने ध्यान नहीं दिया। महापौर परिषद ने भागीरथपुरा बस्ती की लाइन बदलने के लिए अगस्त माह में मंजूरी दी थी, लेकिन फाइल आगे ही नहीं बढ़ी। बस्ती में ड्रेनेज की मुख्य लाइन डाल दी गई, लेकिन उससे जोड़ने वाली पुरानी लाइनें अब तक नहीं डाली गईं। सरकार ने भी बड़े अफसरों को लापरवाही की सजा देने के बजाय छोटे अफसरों पर कार्रवाई की है। जबकि गंदे पानी से मौतों का सिलसिला एक हफ्ते से चल रहा है। इस घटना पर मंत्री और क्षेत्रीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच जारी है। दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा। बस्ती के प्रभावितों का इलाज जारी है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि बस्ती की पेयजल लाइन को दूषित करने वाले रिसाव को खोजा जा चुका है। इसके बावजूद हम लाइनों को जांच रहे हैं। बस्ती में टैंकरों से पानी वितरित किया जा रहा है। जबकि कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बस्ती में तैनात हैं। अब मरीजों की संख्या में कमी आई है। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं हो जाती। अव्वल तो यह अवैध कॉलोनी वैध क्यों नहीं हुई और इसमें जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध क्यों हुई तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है, यह तय करना जरूरी है। लोग दूषित पानी पीने से मरें, इससे दुखद और क्या हो सकता है?

'विशेष उपलब्धि' नहीं, बल्कि स्वाभाविक शर्त

नजरिया

डॉ. मनीष जैसल
लेखक मीडिया शिक्षक हैं।

इतिहास अक्सर बड़ी राजनीतिक घटनाओं, युद्धों या सत्ता-परिवर्तनों के इर्द-गिर्द लिखा जाता है। लेकिन कुछ वर्ष ऐसे भी होते हैं, जब इतिहास किसी एक फैसले या घटना से नहीं, बल्कि असंख्य व्यक्तिगत संघर्षों और उपलब्धियों से आकार लेता है। वर्ष 2025 भारतीय महिलाओं के लिए ऐसा ही एक वर्ष रहा जहाँ परिवर्तन किसी एक मंच पर नहीं, बल्कि खेल के मैदानों, जंगलों के भीतर, अदालतों की लड़ाइयों में, सिनेमा के परदे पर, साहित्य की पंक्तियों में और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक साथ दिखाई दिया। यह वर्ष इस मायने में अलग रहा कि महिलाओं की उपलब्धियाँ 'अपवाद' नहीं रहीं, बल्कि एक सुसंगत प्रवृत्ति के रूप में सामने आईं।

भारतीय समाज में लंबे समय तक महिलाओं की सफलता को या तो 'प्रेरक कहानी' कहकर सीमित कर दिया गया, या फिर उसे व्यक्तिगत असाधारणता का परिणाम मानकर संरचनात्मक असमानताओं से अलग कर दिया गया। 2025 ने इस सोच को चुनौती दी। इस वर्ष यह साफ़ दिखाई दिया कि जब अवसर, संसाधन और सामाजिक समर्थन एक साथ आते हैं, तो महिलाएँ केवल आगे नहीं बढ़तीं वे नई परिभाषाएँ गढ़ती हैं। खेल के क्षेत्र में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बदलाव का सबसे स्पष्ट उदाहरण बना। वर्षों तक सीमित संसाधनों, कम प्रसारण समय और अपेक्षाकृत कम समर्थन के बावजूद टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर न केवल निरंतर जीत दर्ज की, बल्कि रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि महिला क्रिकेट अब 'संभावनाओं का खेल' नहीं, बल्कि 'स्थापित क्षमता' का क्षेत्र है। 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपलब्धियाँ उस सामाजिक सोच पर भी सवाल थीं, जिसमें महिलाओं के खेल को अब भी सहानुभूति या अतिरिक्त प्रोत्साहन की दृष्टि से देखा जाता है।

इसी खेल-जगत के बाहर, मोटरस्पोर्ट जैसे अत्यंत पुरुष-प्रधान और तकनीकी क्षेत्र में डायना पुंडोले की मौजूदगी ने एक नई बहस को जन्म दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फरारी चैलेंज में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला के रूप में डायना की यात्रा केवल गति और तकनीक की कहानी नहीं है। यह उस सामाजिक ढांचे के विरुद्ध खड़े होने का साहस है, जो मानता रहा है कि जोखिम, मशीन और प्रतिस्पर्धा महिलाओं के स्वाभाविक क्षेत्र नहीं हैं। 296 जैसी हाई-परफॉर्मेंस कार को वैश्विक सर्किट पर दौड़ाते हुए डायना ने यह दिखाया कि सीमाएँ जैविक नहीं, सामाजिक होती हैं-और उन्हें बदला जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में डॉ. सोनाली घोष का कार्य वर्ष 2025 में इसलिए महत्वपूर्ण रहा क्योंकि उन्होंने संरक्षण की भाषा को केवल नीति और आंकड़ों से निकालकर समुदाय और सह-अस्तित्व की ओर मोड़ा। काजीरंगा जैसे संवेदनशील जैव-विविधता क्षेत्र में उनके नेतृत्व में विकसित सामुदायिक संरक्षण मॉडल ने यह सिद्ध किया कि जंगलों की रक्षा स्थानीय समुदायों को हटाकर नहीं, बल्कि उन्हें साथ लेकर की जा सकती है। ढ्रुष्टह के केंटन मिलर पुरस्कार से सम्मानित होना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि उस दृष्टिकोण की वैश्विक स्वीकृति थी, जो संरक्षण को मानवीय संदर्भों से जोड़ती है।

युवा पीढ़ी में जानवी जिंदल की उपलब्धियाँ 2025 में विशेष चर्चा का विषय रहीं। 'स्केटिंग गर्ल' के नाम से पहचानी जाने वाली जानवी ने किशोरावस्था में ही पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर यह साबित किया कि प्रतिभा उम्र की प्रतीक्षा नहीं करती। लेकिन उनकी कहानी केवल खेल की सफलता तक सीमित नहीं है। यह उस सामाजिक मानसिकता के विरुद्ध एक मौन प्रतिरोध है, जहाँ लड़कियों के शौक को अक्सर 'अस्थायी' या 'ग़ैर-ज़रूरी' मान लिया जाता है। जानवी की सफलता ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या हम बच्चों-खासकर लड़कियों-को उनके सपनों के अनुरूप ढलने की स्वतंत्रता देते हैं?

सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों के क्षेत्र में वर्षा देशपांडे का योगदान 2025 में एक गहरी नैतिक उपस्थिति के रूप में सामने आया। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार से सम्मानित होकर उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक महाराष्ट्र में लैंगिक हिंसा, सेक्स-सिलेक्शन और दलित महिलाओं के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को वैश्विक मान्यता दिलाई। उनका काम यह याद दिलाता है कि परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं आता, बल्कि लगातार ज़मीनी हस्तक्षेप, कानूनी लड़ाइयों और सामाजिक संवाद से आकार लेता है। निजी पीड़ा को सार्वजनिक जवाबदेही में बदलने की उनकी यात्रा आज के समय में विशेष रूप से प्रासंगिक है।

भारतीय सिनेमा के लिए 2025 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा, और पायल कपाड़िया इसका केंद्रीय नाम बनकर उभरीं। उनकी फिल्म ऑल वी इमैजिन ऐज़ लाइट का कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्रिक्स जीतना केवल एक पुरस्कार नहीं था। यह भारतीय सिनेमा की उस परंपरा की पुनर्पुष्टि थी, जो संवेदना, यथार्थ और मानवीय दृष्टि को केंद्र में रखती है। केरल की नर्सों के जीवन पर आधारित यह फिल्म उस श्रम और भावनात्मक दुनिया को सामने लाती है, जिसे अक्सर अदृश्य मान लिया जाता है। आठ मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन भारतीय महिलाओं की उन कहानियों के लिए था, जो अब तक हाशिये पर रहीं।

साहित्य के क्षेत्र में बानू मुश्ताक की उपलब्धि ने भारतीय भाषाओं के लेखन को वैश्विक विमर्श के केंद्र में ला दिया। हार्ट लैंप के लिए इंटरनेशनल बुकर प्राइज जीतकर उन्होंने यह साबित किया कि भाषा की शक्ति उसकी बाज़ार-स्थिति से नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता से तय होती है। कन्नड़ में लिखने वाली पहली लेखिका के रूप में यह सम्मान पाकर बानू मुश्ताक ने न केवल साहित्यिक इतिहास रचा, बल्कि स्त्री-अनुभवों की जटिलताओं को अंतरराष्ट्रीय पाठकों तक पहुँचाया।

2025 में कुछ और भारतीय महिलाओं ने भी अपनी निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराई। अंतरिक्ष विज्ञान में निगार शाजी ने आदित्य-एल 1 मिशन के माध्यम से भारत की वैज्ञानिक क्षमता को वैश्विक मंच पर और मज़बूत किया। वैश्विक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में गीता गोपीनाथ ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए यह दिखाया कि नीति-निर्माण में भारतीय महिला की आवाज़ अब अनदेखी नहीं की जा सकती। खेल जगत में अवनी लेखरा की निरंतर सफलता ने दिव्यांगता को सीमित दृष्टि से देखने की सोच को चुनौती दी, वहीं सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं के साथ काम कर रहीं अनु शर्मा ने डिजिटल समावेशन को सामाजिक सशक्तिकरण से जोड़ा।

नया साल केवल तारीख़ बदलने का अवसर नहीं होता, वह हमारे सामाजिक संकल्पों की भी परीक्षा होता है। भारत का संविधान समानता, गरिमा और अवसर की जिन मूल अवधारणाओं पर टिका है, उनमें महिलाओं के प्रति गहरी आस्था निहित है, यह आस्था कि वे नागरिक हैं, अधिकारों की धारक हैं और राष्ट्र-निर्माण की बराबर की भागीदार हैं। वर्ष 2025 में सामने आई ये उपलब्धियाँ उसी संवैधानिक विश्वास की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। अब जब हम नए साल में प्रवेश कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी है कि इन सफलताओं को केवल तालियों और प्रशंसा तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें नीति, शिक्षा, संसाधन और सामाजिक व्यवहार में स्थायी रूप से रूपांतरित किया जाए। नई सोच के साथ नए साल का स्वागत तभी सार्थक होगा, जब हम महिलाओं की प्रगति को 'विशेष उपलब्धि' नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक शर्त के रूप में स्वीकार करें। यही संविधान की आत्मा है और यही नए भारत की दिशा भी।

शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्माण का समय

नववर्ष

ममता कुशवाहा
लेखक शिक्षिका हैं।

अंग्रेजी कैलेंडर में 1 जनवरी के साथ ही नए साल की शुरुआत हो जाती है। यह पश्चिमी उत्सव अन्य लोगों के साथ - साथ विद्यार्थियों के जीवन में भी कुछ नया संकल्प देने का काम करता है। विद्यार्थियों के लिए नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यही वह समय होता है जब उनके सपने आकार लेने लगते हैं और भविष्य की दिशा तय होने लगती है। बीता हुआ वर्ष अपने साथ अनुभवों की एक गठरी छोड़कर विदा होता है, कुछ अनुभव सफलता के होते हैं,जो आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं, तो कुछ असफलताओं के होते हैं, जो जीवन की महत्वपूर्ण सीख बन जाते हैं। ऐसे में नववर्ष विद्यार्थियों के लिए आत्मचिंतन, संकल्प और आत्मविकास की राह पर आगे बढ़ने का संदेश लेकर आता है। यदि नववर्ष की शुरुआत शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के समन्वय से की जाए, तो यह केवल एक नया साल नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त नींव बन सकता है।

नववर्ष का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मचिंतन है। आज के समयमें विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूरा करने, परीक्षाओं की तैयारी और अंकों की होड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे स्वयं से संवाद करना ही भूल जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे कुछ क्षण ठहरकर अपने बीते वर्ष पर शांत मन से विचार करें। उन्होंने पूरे वर्ष में क्या सीखा, कहाँ वे सफल रहे, कहाँ उनसे चूक हुई, किन विषयों में उनकी रुचि बढ़ी और किन क्षेत्रों में उन्हें और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है, इन सभी प्रश्नों पर विचार करना आत्मविकास की दिशा में पहला कदम है। आत्मचिंतन से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं, जिससे उनका आगे का सफर अधिक स्पष्ट और सार्थक बनता है।

आज भी समाज में शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे में ही सीमित कर दिया जाता है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है,जिसमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है। जब विद्यार्थी शिक्षा को केवल बोझ नहीं, बल्कि ज्ञान की यात्रा के रूप में देखते हैं, तब पढ़ाई आनंददायक बन जाती है। जीवन से जुड़ी शिक्षा न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि व्यक्ति को समाज के लिए भी उपयोगी बनाती है। नववर्ष इस व्यापक दृष्टिकोण को अपनाने की प्रेरणा देता है। विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना लक्ष्य के जीवन दिशाहीन हो जाता है। नववर्ष को लक्ष्य निर्धारण का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत का प्रतीक है। इस समय यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य स्पष्ट और यथार्थवादी ढंग से तय करें, तो वे भटकाव से बच सकते हैं। लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाने या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। इनमें ज्ञान अर्जन, कौशल विकास,अच्छे चरित्र का निर्माण और स्वस्थ जीवनशैली भी शामिल होनी चाहिए। नववर्ष यह सिखाता है कि लक्ष्य जितने स्पष्ट होंगे, प्रयास उतने ही केंद्रित होंगे और परिणाम उतने ही संतोषजनक प्राप्त होंगे। आज का युग केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि कौशल विकसित करने का है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि बदलती दुनिया में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा, जो नए कौशल सीखने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। संचार कौशल, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मक सोच, टीम वर्क और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल आज के समय में अत्यंत आवश्यक हो चुके हैं। नववर्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार नए-नए कौशल सीखें, ताकि वे केवल परीक्षा में ही नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों में भी सफल हो सकें। विद्यार्थियों के जीवन में समय सबसे बहुमूल्य संसाधन होता है, किंतु वे अक्सर इसका महत्व नहीं समझ पाते और समय व्यर्थ कर देते हैं। नववर्ष समय प्रबंधन की अच्छी आदतें विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर है। जब विद्यार्थीअपनी दिनचर्या की सही योजना बनाते हैं और पढ़ाई, विश्राम तथा मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, तब वे मानसिक तनाव से बचे रहते हैं। समय का सही उपयोग न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। नववर्ष यह संकल्प लेने का समय है कि समय को अपना मित्र बनाया जाए, न कि शत्रु।

शिक्षा और कौशल के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में अपेक्षाओं का दबाव विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव डालता है, जिसके कारण वे तनाव, चिंता और निराशा का शिकार हो जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, धैर्य और आत्मसंयम जैसे गुण कठिन परिस्थितियों में विद्यार्थियों के सबसे बड़े सहायक बनते हैं। नववर्ष यह संदेश देता है कि स्वस्थ मन के बिना कोई भी सफलता स्थायी नहीं हो सकती। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नववर्ष नई और अच्छी आदतें अपनाने का सबसे उपयुक्त समय है। नियमित अध्ययन, समय पर कार्य पूरा करना, स्वस्थ दिनचर्या अपनाना और आत्म नियंत्रण जैसी आदतें धीरे-धीरे बड़े बदलाव लाती हैं। अनुशासन केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि स्वयं के प्रति ईमानदार रहना है। नववर्ष यह सिखाता है कि छोटी-छोटी अच्छी आदतें मिलकर भविष्य का निर्माण करती हैं और व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाती हैं।

शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना भी है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह सोचने का अवसर देता है कि वे समाज के लिए क्या कर सकते हैं। ईमानदारी, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसे नैतिक मूल्य शिक्षा को वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं। जब विद्यार्थी समाज की समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए प्रयास करते हैं, तब वे सही अर्थों में शिक्षित कहलाते हैं। नववर्ष सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों को जाग्रत करने का भी समय है। आत्मविश्वास सफलता की सबसे मजबूत नींव होता है। नववर्ष विद्यार्थियों में यह विश्वास जगाता है कि हर असफलता एक नई सीख लेकर आती है। बीते वर्ष की गलतियाँ यदि समझदारी से देखी जाएँ, तो वे भविष्य की राह को और अधिक स्पष्ट कर सकती हैं। नववर्ष आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है। जब विद्यार्थी स्वयं पर भरोसा करना सीख लेते हैं, तब कठिन से कठिन लक्ष्य भी उन्हें असंभव नहीं लगते।

आज का नववर्ष डिजिटल युग की अपार संभावनाओं से जुड़ा हुआ है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल संसाधन और वैश्विक मंच विद्यार्थियों के लिए सीखने के नए द्वार खोलते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे तकनीक का सही और सकारात्मक उपयोग करना सीखें। यदि तकनीक का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह ज्ञान के विस्तार और आत्मविकास का सशक्त माध्यम बन सकती है। विद्यार्थियों के लिए नववर्ष केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है- स्वयं को बेहतर बनाने का, शिक्षा को जीवन से जोड़ने का और कौशल के माध्यम से भविष्य को सशक्त बनाने का। यदि विद्यार्थी नववर्ष को आत्मचिंतन, लक्ष्य निर्धारण और निरंतर प्रयास से जोड़ लें, तो यह वर्ष उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बन सकता है। नववर्ष यह याद दिलाता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से शुरू होता है। जब विद्यार्थी शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के साथ नववर्ष का स्वागत करते हैं, तब यह केवल एक तारीख नहीं रह जाता, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त शुरुआत बन जाता है।

अब तक का सबसे बड़ा साहसिक अभियान

नववर्षारम्भ

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला
लेखक साहित्यकार हैं।

हम सब अपनी-अपनी कठिनाइयों से जूझते हुए भी उत्साह और उमंग के सपने सँजोये हुए नये वर्ष का स्वागत करने के लिये तैयार खड़े हैं। नये वर्ष के स्वागत का अर्थ है- वर्तमान की पूजा, नये संकल्प, नई स्थापनाओं का साहसिक अभियान। जो समय के साथ है, वही वर्तमान है। अतीत उसका पूर्वज है, इसलिये वह वर्तमान को खेलते-कूदते हुए ही देखना चाहता है। वह वर्तमान की सम्भावना को देखकर कुंठित नहीं होता, अपितु बड़े-बुजुर्ग की तरह वर्तमान को ऊपर चढ़ता हुआ देखकर खुश हो जाता है। इसीलिए हम बीते वर्ष को धन्यवाद देते हैं, कि उसने हमें यहाँ तक पहुँचाने का संकल्प दिसम्बर की अंतिम रात पूरा कर लिया।

नये वर्ष के स्वागत के साथ हम अपनी जेब में बीते वर्ष के लेखे-जोखे की बहुत सारी चिट्ठियाँ सम्हाले रहते हैं। उनमें बहुत सी वैचारिक आमदनियाँ होती हैं, सेहत, रूपये-पैसे और सामाजिक लाभ-हानियों के हिसाब के साथ हार-जीत के वे मनोविज्ञान भी होते हैं, जिनका असर दीर्घकालिक हो सकता है। फिर भी नवागत के लिये एक आश्चर्यजनक आकर्षण हमारी जेहन में होता है। हम नई दौड़ में शामिल होना चाहते हैं, अपने विकास की बिल्कुल नई इबारत लिखना चाहते हैं। हम इस विश्वास से भरे होते हैं कि नये वर्ष में सब खुशियाँ हमारी मुट्ठी में होंगी, और हमारा अभियान सफल होगा।हम बहुधा दुःखी रहते हैं, उदास हो जाते हैं। कई बार लगता है कि कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। मनुष्य का जीवन कटुता और वैमनस्य से भरता चला जा रहा है। पाप बढ़ रहे हैं। ऐसा भी लगता रहता है कि हम असुरक्षित हैं, और कोई आसुरी शक्ति हमारी ओर बढ़ती चली आ रही है। ऐसा अनुभव आजकल का नहीं है, सदियों का है। इसलिये यह चिन्ता छोड़कर यह देखिए कि मनुष्य अब तक के सबसे बड़े साहसिक अभियान पर है। सम्पूर्ण पृथ्वी पर चेतना का यज्ञ चल रहा है। समय के कैनवास पर नये रंग भरे जा रहे हैं। पुरानी और जर्जर हो चुकी प्रणालियाँ बदल रही हैं। सृजन और प्रलय की होड़ में सृजन बढ़त बनाये हुए है। जीवन के रहस्यों पर पड़े हुए पर्दे हटाये जा रहे हैं। आदमी दुःख के पहाड़ों को चीरता हुआ सुख के उस सागर के पास जा खड़ा होने के लिये उत्सुक है, जहाँ की निराली शान्ति उसने पहले कभी नहीं देखी थी।

नये वर्ष का सीधा सम्बंध तो सूर्य और पृथ्वी के रिश्ते से है। यह रिश्ता कितना गहरा है, इसका गणित कितना असाध्य, यह अभी तक पूरी तरह नहीं जाना जा सका। लेकिन मनुष्य ने न जाने कितनी बार इस रिश्ते की तह में जानने की कोशिश की। उसने यह जाना कि वह भी इस रिश्ते की महत्वपूर्ण कड़ी है। सूर्य और पृथ्वी के बीच का जो मेल-मिलाप है, उसने हमें सन् और संवत् दिये, उसकेसाथ उत्सव दिये, त्यौहार दिये, उन्हें मनाने की अलग-अलग परम्पराएँ भी दीं।

अब से 2026 वर्ष पहले जो ईस्वी सन् लागू हुआ, वह अब तक का आधुनिकतम, वैज्ञानिक और सब प्रकार से जाँचा-परखा समय का वह पहिया है, जिसका अनंतकाल तक चलते चले जाना तय है। इसमें संदेह नहीं, कि हमारा विक्रम संवत् इससे आयु में 57वर्ष बड़ा है। वह हर बात में बड़ा है। यह उसका बड़प्पन ही है, कि वह ईस्वी सन् को आगे कर चलता चला आया है। हम भारतीय विक्रम संवत् के साथ-साथ ईस्वी सन् को भी सम्मान देते हैं, इससे विश्व भर में हमारा गौरव बढ़ा ही है।1 जनवरी को यह पृथ्वी सूर्य की प्रदक्षिणा पूरी कर प्रणाम करने की मुद्रा में आती है। इस दिन हम कृतज्ञ होते हैं सूर्य और पृथ्वी के प्रति, कि उन्होंने हमें जीवन दिया। यह अवसर पृथ्वी पर निवास करने वाले एक-एक मनुष्य के लिये चुनौतीपूर्ण आमंत्रण है। यह सूर्य की अध्यक्षता में नववर्ष का राजतिलक है। इस मौके पर नयी सुबह की प्रथम किरण का स्पर्श हमारी रग-रग में उत्साह और उमंग भर देता है। मन का मयूर नाच उठता है, थके हुए पाँव भी थिरकने लगते हैं, जीने की इच्छा को नये पंख मिलते हैं और मृगछौने की तरह चौकड़ी भरने के लिये एक हरा-भरा मैदान सामने दिखाई देने लगता है। यही तो वह उत्सव है, जिसके सपने सँजोये गये थे।नववर्ष के आरम्भ के साथ नव संकल्प लेने का आह्वान भी होता है। संकल्प लेना आसान हो सकता है, लेकिन उसकी शुचिता का सम्बंध हमारे मन से है। संकल्प जाग उठा, तो अंत तक वह मन में ही आसन जमाकर बैठेगा। नववर्ष की मंगल प्रभात में हमारी पहली प्रार्थना तो यही होनी चाहिए कि हे नवागत उषा! हमारा मन स्वच्छ कर दे। चित्त की सब मलिनताएँ मिटा दे। वह तिमिर-जाल समेट ले, जिसने मेरे आत्मविश्वास को ढँक लिया है। हमें उधर ले चल, जहाँ जीवन का संगीत है। हमें वहाँ ले चल, जहाँ मनुष्य के साहस की परीक्षा चल रही है।नये वर्ष का स्वागत कीजिए, हृदय के बंद कपाट खोल कर। स्नेह का दीप जलाइए। अपनी आत्मा की सुगंध सब ओर फैला दीजिए। शुभ कामनाओं का तोरणद्वार सजा लीजिए। उमंग के सितार को झंकृत होने दीजिए घर-आंगन में। प्रेम का कलश छलका दीजिए। अपनी भावनाओं के निर्झर को बह जाने दीजिए। नव वर्ष में हम एक-दूसरे को भरोसा दिलाएँ कि मनुष्यता कभी मर नहीं सकती। जीवन के उद्देश्य को नया अर्थ दें, नयी गति दें। हमारी गलतियों से जो आकाश सिकुड़ गया है, उसे दसों दिशाओं मे खुल जाने की सौगात दें।नये वर्ष की सुनहली भोर में उगते हुए सूरज की ओर अपने दोनों हाथ फैला कर कहिए- हे ज्योतिर्मय! मैं अब तक के सबसे बड़े साहसिक अभियान पर हूँ। मुझे आत्मविश्वास से भर दे, मुझे अपने प्रकाश से जगमग कर दे। तू हमें अपने आलिंगन में ले ले। हमारे भीतर उपजे हुए तमस् का अंत कर दे। अमरता का वह विश्वास दे, जो हमारे जीवन में नई चमक और नया उत्साह जगा दे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर लोग 'हैप्पी न्यू ईयर' के मस्ती में डूबते है, तब मैं रजाई में दुबकर पुराने कैलेंडर को निहारता हूँ। जिसमें मैंने पिछले साल 'क्रांति' का संकल्प लिया था। नया साल असल में वह विकल्प है, जहाँ से हम अपनी पुरानी असफलताओं को नए रैपर में लपेटकर खुद की समृद्धि का कायाकल्प कर सकते हैं।

पुराने साल की आखिरी रात को अमूमन दो तरह के लोग पाए जाते हैं। पहले वे, जो 'पार्टी' के नाम पर इतना शोर मचाते हैं कि यमराज भी कन्फ्यूजिया जाए कि धरती पर प्रलय आ गया है या सिर्फ कान फोड़ू डीजे बज रहा है। दूसरे वे, जो रजाई में दुबक कर 'आत्मचिंतन' का मेरी तरह ढोंग करते हैं और सोशल मीडिया पर ऐसे भारी-भरकम संकल्प लिखते हैं, जिन्हें पढ़कर स्वयं अरस्तू भिया भी शर्मा जाएं।

नए साल का सबसे बड़ा शिकार जिम और फेसबुकिया होते हैं। जिम के मालिक जनवरी के पहले हफ्ते में कमाई का रिकार्ड तोड़ते हैं और पूरे शहर को बॉडी बिल्डर बनने का जूनून सवार होता है। पहली जनवरी को जिम में इतनी भीड़ होती है कि डंबल उठाने के लिए भी लाइन में लगना पड़ता है।

लेकिन जैसे-जैसे जनवरी की ठंड बढ़ती है, संकल्पों की चर्बी पिघलने के बजाय जमने लगता है। पखवाड़ा आते-आते जिम में सिर्फ वही लोग बचते हैं, जिन्होंने 'सालाना पैकेज' के पैसे दिया होता है। वह वापस न मिलने के गम में कसरत होती है।

सोशल मीडिया पर लोग सूरज की पहली किरण के साथ ऐसी तस्वीरें डालते हैं जैसे उन्होंने ही रात भर जागकर सूरज को खींचकर बाहर निकाला हो।

न्यू ईयर स्टेटस डालने वाले सज्जन वही होते हैं, जो पहली दूसरी जनवरी को बैठकर पड़ोसी की बुराई कर रहे होते हैं। बदलाव सिर्फ एक हफ्ते भी नहीं टिकता और दिखता है।

बाजारवाद के युग में नया साल एक प्रमोशन सेल है। जो पुरानी डायरियां पिछले साल नहीं बिकीं, वे नए कवर के साथ बिकने लगती हैं। कंपनियां आपको यकीन दिलाती हैं कि इस साल उनका कपड़ा मोबाइल कार और मकान नहीं खरीदा, तो समय आपके लिए रुक सा जाएगा। हर चीज में बाजार घुसा हुआ है। देखा-देखी में दिमाग में भूसा भर गया है। सबको बिना आवश्यकता के फालतू चीजें खरीदनी है।

हकीकत तो यह है कि नया साल अच्छी आदत अपडेट करनी है। जिसमें अच्छे फीचर्स आ जाएं, बस संकल्प से आइकन बदल दिया जाता है।

हम दिसंबर की आखिरी रात को सोचते हैं कि कल सुबह जब आँख खुलेगी, तो हम एक बेहतर इंसान होंगे। मगर अफसोस, सुबह की चाय के साथ वही पुराने अपराध की खबरें और वही पुरानी उधारीलाल बने रहते हैं।

नया साल का हम जश्न मनाते है। हर साल एक नई तारीख से अपनी नियति बदलने की उम्मीद करते हैं, बिना खुद को बदले। नया साल हमें यह सिखाता है कि कैलेंडर बदलना आसान है, लेकिन पुरानी आदतों की मैल छुड़ाना मुश्किल। फिर भी, हम हर साल उसी उत्साह से एक-दूसरे को बधाई देते हैं, जैसे पिछली बार हमने पूरी ईमानदारी से निभाए हों। कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक प्रयास जारी है।

बहरहाल, नया साल मुबारक हो! इस उम्मीद के साथ हम संकल्प लेते हैं!

स्वागत 2026

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संकल्प और उमंग के साथ तैयार हैं हम?

नया साल शोर, आतिशबाज़ी और सोशल मीडिया के शुभकामना संदेशों से आगे निकलने की माँग करता है। यह एक आधुनिक सोच चाहता है, जहाँ उत्सव के साथ उत्तरदायित्व, उमंग के साथ विवेक और संकल्प के साथ करुणा हो। उमंग और उत्साह बाहरी नहीं, भीतरी ऊर्जा होनी चाहिए। नूतन साल अक्सर जोश और उमंग का प्रतीक माना जाता है। लोग कहते हैं इस साल कुछ बड़ा करेंगे। पर आधुनिक सोच यह कहती है कि उमंग का स्रोत बाहर नहीं, भीतर होना चाहिए। क्षणिक उत्साह, जो कुछ दिनों में बुझ जाए, वह परिवर्तन नहीं ला सकता। सच्ची उमंग वह है जो कठिन परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने की शक्ति दे।

नूतन साल केवल तारीख़ बदलने का नाम नहीं है। यह समय के कैलेंडर पर एक नई धारा जोड़ने से कहीं अधिक है। यह आत्मा के भीतर जमा धूल को झाड़ने, विचारों की दिशा सुधारने और जीवन को नई दिशा और अर्थ देने का अवसर है। हर वर्ष की तरह अलबिदा होता साल 2025 और जिसके स्वागत के लिए हम बेताब हैं साल 2026 भी हमसे एक प्रश्न करता है, क्या हम सचमुच नए हो पाए, या सिर्फ़ पुराने ढर्रे को नई तारीख़ के साथ ढोते रहे।

नया साल शोर, आतिशबाज़ी और सोशल मीडिया के शुभकामना संदेशों से आगे निकलने की माँग करता है। यह एक आधुनिक सोच चाहता है, जहाँ उत्सव के साथ उत्तरदायित्व, उमंग के साथ विवेक और संकल्प के साथ करुणा हो। उमंग और उत्साह बाहरी नहीं, भीतरी ऊर्जा होनी चाहिए। नूतन साल अक्सर जोश और उमंग का प्रतीक माना जाता है। लोग कहते है इस साल कुछ बड़ा करेंगे। पर आधुनिक सोच यह कहती है कि उमंग का स्रोत बाहर नहीं, भीतर होना चाहिए। क्षणिक उत्साह, जो कुछ दिनों में बुझ जाए, वह परिवर्तन नहीं ला सकता। सच्ची उमंग वह है जो कठिन परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने की शक्ति दे।

उत्साह तब सार्थक होता है जब वह निरंतरता में बदल जाए, जब हर सुबह खुद से यह पूछा जाए कि आज मैं बीते कल से थोड़ा बेहतर कैसे बन सकता हूँ।

संकल्प और विकल्प के साथ हमें तैयार होना होगा।

नया साल संकल्पों का मौसम होता है। पर अधिकतर संकल्प शब्दों में ही रह जाते हैं। आधुनिक दृष्टि में संकल्प केवल इच्छा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है।

संकल्प तभी टिकता है जब हम विकल्पों को समझदारी से चुनते हैं। हर दिन हम छोटे-छोटे विकल्प चुनते हैं, सत्य या सुविधा, परिश्रम या बहाना, प्रेम या घृणा। यही विकल्प हमारे पूरे वर्ष की दिशा तय करते हैं। नया साल यह सिखाता है कि बड़े बदलाव बड़े फैसलों से नहीं, बल्कि रोज़ लिए गए सही विकल्पों से आते हैं।

प्रेम और सद्भाव की भावना हमें निजी दायरे से सामाजिक सरोकार तक रखनी चाहिए आज का समय तेज़ है, प्रतिस्पर्धी है और अक्सर संवेदनहीन भी। ऐसे में नया साल हमें प्रेम को नए अर्थ में समझने का अवसर देता है। प्रेम केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं होना चाहिए। सद्भाव का अर्थ असहमति के बावजूद सम्मान। अलग विचार रखने वाले से भी इंसान की तरह पेश आना। आधुनिक समाज में यही सबसे बड़ा उत्सव है। जब हम प्रेम और सद्भाव को जीवन की नीति बनाते हैं, तब नया साल केवल हमारा नहीं रहता, वह समाज का नया साल बन जाता है।

घृणा से मुक्ति सबसे ज़रूरी नववर्ष का संकल्प है कोई एक संकल्प सबसे अधिक ज़रूरी है, तो वह है घृणा को छोड़ने का संकल्प। घृणा हमें थकाती है, हमें संकीर्ण बनाती है और हमारे भीतर के मनुष्य को छोटा करती है। नया साल इस बोझ को उतारने का समय है। आधुनिक सोच यह नहीं कहती कि अन्याय को स्वीकार कर लिया जाए, बल्कि यह कहती है कि संघर्ष में भी मानवीय गरिमा बनी रहे। घृणा छोड़ना कमज़ोरी नहीं, बल्कि मानसिक स्वतंत्रता है।

हमारा लक्ष्य केवल सफलता नहीं, सार्थकता के साथ

नए साल में लक्ष्य तय किए जाते हैं, पैसा, पद, पहचान पर नहीं पर आधुनिक दृष्टि पूछती है इन लक्ष्यों का उद्देश्य क्या है। लक्ष्य केवल सफलता के लिए नहीं, सार्थकता के लिए होने चाहिए। ऐसा लक्ष्य जो केवल हमें नहीं, दूसरों को भी बेहतर जीवन दे सके।

जब लक्ष्य समाज और आत्मा दोनों के साथ जुड़ते हैं, तब सफलता अहंकार नहीं बनती, बल्कि सेवा का माध्यम बनती है।

परिवर्तन डरने की नहीं, गढ़ने की चीज। लोग परिवर्तन चाहते हैं, लेकिन उससे डरते भी हैं। नया साल परिवर्तन का प्रतीक है, पर आधुनिक सोच कहती है कि परिवर्तन बाहर नहीं, भीतर से शुरू होना चाहिए।

यदि सोच नहीं बदली, तो हालात बदलने से भी कुछ नहीं बदलेगा। परिवर्तन का अर्थ पुरानी गलतियों से सीखना, नई राह चुनना और ज़रूरत पड़ने पर खुद को फिर से गढ़ लेना। क्षमा और दया आत्मा की सफ़ाई के साथ नया साल मनाने से पहले ज़रूरी है। क्षमा और दया इसी सफ़ाई के साधन हैं। क्षमा दूसरों के लिए नहीं, हमारे अपने मन के लिए होती है। दया दूसरों को नहीं, हमें इंसान बनाए रखती है।

जब हम क्षमा करते हैं, तब हम अतीत की ज़ंजीरों से मुक्त होते हैं। यही सच्ची नववर्ष की शुरुआत है।

शील और सौहार्द्र आधुनिकता का नैतिक आधार हैं।

आधुनिक होने का अर्थ मूल्यहीन होना नहीं है। शील, विचार, भाषा और आचरण की मर्यादा, आज पहले से अधिक आवश्यक है। सौहार्द्र वह सेतु है जो विविधताओं को जोड़ता है। नया साल हमें यह याद दिलाता है कि सभ्यता की पहचान ऊँची इमारतों से नहीं, बल्कि ऊँचे चरित्र से होती है।

नूतन वर्ष हम नूतन सोच, समझ के साथ मनाएं।

नया साल मनाने का सबसे अच्छा तरीका है, खुद से ईमानदार संवाद करें शोर, भीड़, तमाशा, दिखावा से दूर, एक शांत संकल्प के साथ आगे बढ़ें। घृणा, से अधिक प्रेम, कम शिकायत, अधिक प्रयास, कम अहंकार, अधिक करुणा अपनाएं नया साल तब सचमुच नया होगा, जब हम अपने भीतर कुछ नया और न्यायपन लाएंगे। यही आधुनिक सोच है, यही समय की माँग है, और यही नए साल का सच्चा उत्सव। फिर नए संकल्प और उमंग के साथ हमें तैयार हो जाना चाहिए।

आगत का स्वागत करें

– रामेश्वरम तिवारी

विगत की करें विदाई, आगत का स्वागत करें,
छोटों को गले लगाएँ, बड़ों समक्ष शीश नत करें।

परहित की सोचें दुखियों के दृगों से आँसू पोंछें,
मानव होने का दायित्व निभाएँ, दूर आरत करें।

जो सज्जन हैं उनकी सबके सम्मुख प्रशंसा करें,
दुष्टजनों की सार्वजनिक लानत-मलामत करें।

जीवन में चाहें जितनी आँधियाँ औ' तूफ़ां आएँ,
किन्तु हरदम ऊपर उठने का जतन-चाहत करें।

जीवन में गुजरे पल कभी लौटकर आते नहीं हैं,
कल की चिन्ता छोड़ें, आज की हिफ़ाज़त करें।

शत्रुता को भुलाकर,घृणा-द्वेष,कटुता मिटाकर,
मिल-जुलकर सभी निर्मित अभिनव भारत करें।

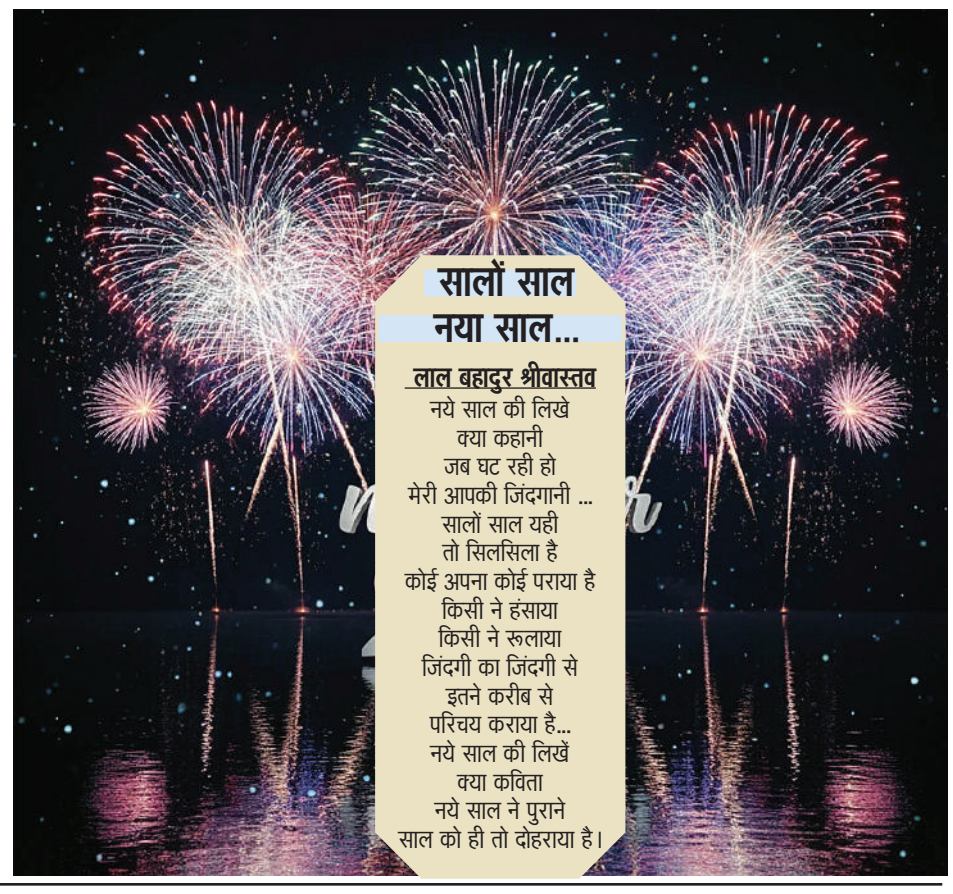

स्वागत 2026

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

नव वर्ष है, नव जीवन है, नव है ये सृजन

नया, नवीन, नव, नूतन कितने-कितने नाम ले लो.....नया तो नया ही होता है। नया भले ही उसी कद-काठी का हो, हमशक्ल हो परंतु एक नया उत्साह लेकर ही आता है। हमें पता है यह नया कभी पुराना हो जाएगा और जो पुराना हो गया है वह कभी नया था। कौन पड़े इस चक्रव्यूह में हम तो अभी इस क्षण जीना चाहते हैं, जो अभी नवीन है वही हमारी हकीक़त है। वर्तमान हमेषा नवीन होता है और सबसे बडी बात हम वर्तमान के अलावा और कहीं जी भी नहीं सकते। अब यह अलग बात है कि हम वर्तमान में रहकर भूत और भविष्य का रोना रोते रहें और इस सुनहरे वर्तमान को भी खो दें। हम अक्सर इसी तरह सुनहरे पल खोते जाते हैं। हम जिस पल वर्तमान को अंगीकार कर लेते हैं, हम प्रसन्न रहते हैं। यदि हम कोई उत्सव मना रहे हैं तो हम उस पल में होते हैं, न हमें कोई भूतकाल का गुस्सा या ग्लानि और न कोई भविष्य की चिंता हमें सता रही होती है।

नदी नूतनता का श्रेष्ठ प्रतिदर्श है। देखिये न! कितनी प्राचीन होती है नदी लेकिन उसमे बहने वाला पानी बिल्कुल ताजा होता है। बहता पानी वर्तमान का प्रतीक है। जो पानी एक बार गुजर गया, कभी वहां नहीं मिलेगा। इसलिए नदियों के पानी से आचमन किया जाता है, नदियों की पूजा की जाती है। नवीनता का सीधा संबंध हमारी भाव शक्ति से है। नवीनता हमारे भावों को जागृत कर देती है और मन उत्सव मनाने की ओर प्रवृत्त हो जाता है। कहते है यह जीवन उत्सव ही है। नवीनता का स्वागत करता जीवन और समय है कि ठहर जाता है। उत्सव में समय का आभास नहीं होता है जैसे ध्यान की अवस्था में होता है। समय से परे जाना ही वर्तमान में रहने जैसा है। भूत और भविष्य की चिंता में हर समय डूबा मन कभी जीवन की विषालता, समृद्धि, उल्लास को नहीं समझ पाएगा। नवीनता का स्वागत नहीं कर पाएगा।

हम वर्तमान में रहकर सृजनशील रह सकते हैं और हमारा सर्वश्रेष्ठ दे पाते हैं। नवीनता हमें उत्साह से भरकर सृजन में लगाती है। प्रत्येक चिंतनशील और दार्शनिक मनुष्य के जहन में अनेक प्रश्नों के साथ यह प्रश्न भी हमेशा कौंधता होगा कि वास्तव में इस सृष्टि का सृजन क्यों हुआ? इसका उत्तर बुद्धिगम्य नहीं है। पौराणिक मान्यताओं और किवदंतियों के उलझन भरे जवाबों से परे इसका सहज उत्तर यह हो सकता है कि गति इस कायनात की अनिवार्य प्रक्रिया है और सृजन उसका आवश्यक अंग है। व्यापक अर्थों में सृजन का अर्थ निर्माण से ही है। यह सृजन ही है जो इस सृष्टि की गति को मुखर करता है, उसे सार्थकता प्रदान करता है। यदि केवल गति हो और सृजनात्मकता का अभाव हो तो सापेक्षता के आधार पर यह गति शून्य प्रतीत होगी। यही शून्य मृत्यु या निर्जीवता को प्रदर्षित करता है।

नव सृजन ही जीवन है

जीवन है तो वहाँ सृजनशीलता भी होगी और जहाँ सृजनशीलता है वहाँ जीवन भी होगा। अर्थ यही है कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। जीवन को जीना और जीवन को ढ़ोना एक सिक्के के दो पहलू हैं। प्रत्येक जीव अपना अस्तित्व इन्हीं में खोज लेता है। सृजनशीलता निरंतर प्रवाह जीवन को जीने के लिए प्रेरित करता है वहीं, 'जैसा है वैसा चलने देने' वाला जीवन सृजनशीलता के अभाव को प्रकट करता है। कई बार परिस्थितियाँ ऐसी रहती हैं जो सृजनशीलता से विलग ही कर देती हैं वहाँ जीवन को ढ़ोना ही महत्वपूर्ण कार्य समझा जाता है। एक और स्थिति होती है जीवन की, जहां सृजन तो होता है परंतु

विसंगतियों का सृजन। देव व असुरों के मध्य विभेद का एक यह बिन्दु भी प्रमुख रहा है। एक सृजन सद्कार्यों के लिए व दूसरे का विध्वंस के लिए। यूँ तो जड़ या निर्जीव वस्तुएं ही अच्छी रहती है जो सृजन तो नहीं करती हैं परंतु वे सृजन का माध्यम जरूर बन जाती हैं।

नव सृजन, सार्थक सृजन

यह आवश्यक नहीं है कि सृजन करने का लक्ष्य बहुत बड़ा हो या कोई महान कृति, कार्य हो। प्रत्येक सृजन जो जीवन को उल्लास दे, जीने का ढंग दे, सहारा दे वह भी श्रेष्ठ सृजन है। यदि सृजन लोकोउपयोगी है तो और भी बेहतर। जो सृजन समाज व राष्ट्र को उन्नति के मार्ग पर पहुँचाए वह सर्वश्रेष्ठ सृजन है। हिमालय का निर्माण कोई एक दिन में नहीं हुआ। सृजन के एक-एक अणु परमाणु के युग-युगीन प्रयत्नों के पश्चात उसका निर्माण हुआ। सार यही है कि सृजन कभी छोटा या बड़ा नहीं होता। वह तो सिर्फ सद्कार्यों की कसौटी पर कसा होना चाहिए। एक मूर्तिकार द्वारा किसी मूर्ति का सृजन करने के उपरांत जो उसे आल्हाद होता है, उसी में जीवन छुपा होता है। इसी तरह श्रेष्ठ विचार, रचनाओं के सृजन से यदि समाज व देष की धारा थोड़ी बहुत भी परिवर्तित हो जाए तो वह सृजन का वास्तविक स्वरूप होता है। आजादी के संघर्ष के दौरान गांधीजी द्वारा किया गया विचारों का सृजन संपूर्ण आजादी का आधार स्तम्भ बना था।

श्रेष्ठ सृजन तो श्रेष्ठ विकास

वर्तमान में हम अत्याधुनिक जीवन जी रहे हैं और उन्नति (?) के मार्ग में बह रहे हैं। दिन-प्रतिदिन बल्कि घंटे-प्रति घंटे नए-नए बदलाव की आहट सुनाई देती है। अब यह सोचना काफी परिश्रम का कार्य होगा कि हमने इस कथित उन्नति में कितना श्रेष्ठ सृजन किया और कितना विसंगतिपूर्ण सृजन किया। नवीनता के जोश को संभालने की आवश्यकता भर है। जैसे ही हम नवीनता की आकांक्षा करते हैं हम नदी बन जाते हैं। हमारे दो किनारे कभी मिलते नहीं लेकिन वे भी एक होकर साथ चलते हैं। प्रत्येक मनुष्य से यह आशा की जा सकती है कि वह कुछ न कुछ सृजन अवश्य करे, जो उसके भविष्य का आधार साबित हो। इतना भी नहीं कर सकते तो वह इतना तो कर सकते हैं कि संपर्क में आने वाली वस्तु एवं जगह को छोड़ने से पहले उसे उसके पूर्व रुप से अधिक अच्छा बना दें। यही आज का श्रेष्ठ सृजन होगा।

राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम एवं बनेगा 100 रनिंग मीटर के पांच लेन वाला सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक

● मिला- 2025 में मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन, उम्मीद- 2026 में खेल, सिंचाई और रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

एस. द्विवेदी

बैतूल। वर्ष 2025 जिले को काफी कुछ दे गया, लेकिन कई उम्मीदें अब भी जिले के लोगों को वर्ष 2026 से लगी हुई है। जिले के लोग, जो आशाएं लगाए हैं वो इस साल पूरी हो जाएगी। इसमें सबसे ज्यादा उम्मीदें शहर के विकास, रोजगार को लेकर जुड़ी हुई है। कई ऐसी उम्मीदें है, जिनकी घोषणाएं हुई, लेकिन काम शुरू नहीं हो पाया। वर्ष 2026 में ऐसे कामों की नींव रखे जाने की उम्मीद लोगों ने लगा रखी है, हालांकि सरकार ने वर्ष 2025 में जिले को कई तोहफे दिए हैं, सबसे बड़ा तोहफा जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज की सौगात है। अब तक विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बड़े शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन कुछ सालों के बाद बैतूल के विद्यार्थी यहां रहकर ही मेडिकल की भी पढ़ाई कर पायेगे। इससे परिजनों का आर्थिक भार कम होगा। इसके अलावा जिला अब धीरे-धीरे उद्योग और रोजगार की ओर भी बढ़ रहा है। यहां स्थानीय इंवेस्टरों के अलावा बाहरी इन्वेस्टर भी उद्योग स्थापित करने के लिए रुचि दिखा रहे है। वर्ष 2026 में कई ऐसी चीजें होंगी जो शहर की पहचान बनेंगी और यह राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों का स्वरूप बदलेगा। जिलेवासियों को उम्मीद है कि नये साल 2026 में नई उम्मीदें होंगी।

2025 में जिलेवासियों को मिला यह

(1) **स्वास्थ्य** – वर्ष 2025 बीत गया, लेकिन 2025 ने जिलेवासियो को कई तोहफे दिये। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिले के कई ब्लाकों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन की सौगात मिली, तो वहीं जिला अस्पताल में क्रिटिकल यूनिट बनकर तैयार हुई। सबसे बड़ी सौगात जिले के लिए मेडिकल कॉलेज है। मेडिकल कॉलेज बनने बनने के बाद जिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सशक्त जिला बन जायेगा।

(2) **कृषि** – जिले की कई मध्यम और लुघु जल परियोजनाएं वर्ष 2025 में पूर्ण हो चुकी है। हालांकि इन परियोजनाओं का फिलहाल सिंचाई के लिए उपयोग नहीं किया जा सका, लेकिन आने वाले सालों में इन जल परियोजनाओं से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही परियोजनाओं आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर में भी सुधार आयेगा।

(3) **उद्योग** – जिला अब धीरे-धीरे उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2025 की बात करे तो यहां मोही औद्योगिक क्षेत्र के लिए 27 में से 24 भूखंड आवंटित किये जा चुके है। इन उद्योगों से निर्माण और शुरू होने पर करीब 750 से एक हजार युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि जिले में अब बाहरी इंवेस्टर भी उद्योग के लिए रूचि दिखाने लगे है।

(4) **परिवहन (सडक़)** – बैतूल जिला अब परिवहन के क्षेत्र में भी अग्रसर होता जा रहा है। पहले नागपुर-भोपाल हाइवे था, लेकिन अब बैतूल-इंदौर हाइवे भी शुरू हो चुका है। जिससे लोग इंदौर जैसे बड़े शहरों में बाय रोड से आ-जा सकते है। इसके अलावा बैतूल शहर और जिले के गांव-गांव सडक़ों से जुड़ रहे है। सडक़े बनने से लोगों का आवागमन सुगम हो रहा है। कई सडक़ों का भूमिपूजन 2025 में हुआ है।

वर्ष 2026 में जिलेवासियों को मिलेगा यह .....

(1) **खेल**- आदिवासी बाहुल्य बैतूल जिले की खेल प्रतिभाओं को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने बड़ी सौगात दी है। श्री खंडेलवाल के प्रयासों से जिला मुख्यालय बैतूल में मुख्यमंत्री विशेष निधि से लगभग 5 करोड रुपए की लागत से राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम एवं 100 रनिंग मीटर के पांच लेन वाला सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक स्वीकृत हुआ है। क्रिकेट स्टेडियम एवं एथलेटिक ट्रेक निर्माण के लिए नगरपालिका बैतूल द्वारा टेंडर भी जारी किए जा चुके हैं। इनका निर्माण होने के बाद बैतूल जिले की खेल प्रतिभाओं को जिला मुख्यालय पर ही राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट एवं एथलेटिक खेलों के प्रशिक्षण की सुविधा मिलने के साथ ही बैतूल में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा।

(2) **सिंचाई** - जिले के किसानों के लिए वर्ष 2026 सिंचाई के लिहाज से महत्वपूर्ण होने वाला है। जल संसाधन विभाग द्वारा निर्माणाधीन और पूर्ण हो चुकी मध्यम एवं लघु परियोजनाओं के माध्यम से जिले में सिंचाई सुविधा का दायरा तेजी से बढ़ाया जा रहा है। घोघरी और वर्धा मध्यम परियोजना के साथ-साथ सावन्याकोल, पाथाखेड़ा नघु जलाशय तथा तिरमहु और कोंढरखापा बैराज से किसानों को भरपूर सिंचाई जल उपलब्ध कराया जायेगा। विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 में इन परियोजनाओं को पूरी क्षमता के साथ शुरू करने की तैयारी है। इन जल परियोजनाओं से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। किसान फसलों का अच्छा उत्पादन लेकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेगे।

रोजगार - मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन पर जिले को कई सौगात दी। आदिवासी संग्रहालय, गुड क्लस्टर, वुडन क्लस्टर, कोसमी और मोही औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार करने की ऐलान किया था। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद विभागों ने काम शुरू कर दिया है। जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के असिस्टेंट मैनेजर प्रवीण खवसी ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार गुड क्लस्टर, वुडन क्लस्टर का प्रोजेक्ट बनाकर तैयार कर लिया है। स्वीकृति मिलते ही इन प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जायेगा। इसके अलावा मोही में 8 हेक्टेयर भूमि पर 50 भूखंडों का ले आउट तैयार किया जा रहा है। जिससे करीब मोही में ही 750 से एक हजार लोगों को रोजगार मिल पायेगा। वहीं कोसमी फेस -टू में भी उद्योग लगने से लोगों को रोजगार मिलेगा।

संघ शताब्दी वर्ष में जनवरी माह में जिले भर में हिंदू सम्मेलन के बड़े आयोजन होंगे

● धार जिले के 88 मंडलों और 49 बस्तियों में हिंदू सम्मेलन होंगे

धार। संघ के शताब्दी वर्ष में जनवरी माह में जिले भर में हिंदू सम्मेलन के बड़े आयोजन होने जा रहे हैं। संघ रचना के धार जिले के 88 मंडलों ओर 49 बस्तियों में हिंदू सम्मेलन होंगे। पूरा हिंदू समाज मिलकर इन आयोजनों में सहभागी रहने वाला है। इसमें सभी समाजों के हजारों परिवार शामिल होंगे। इसके लिए सभी मंडलों ओर बस्तियों मे हिंदू सम्मेलन समितियो का गठन हुआ है। समितियों में सभी समाजवर्गो के प्रबुद्ध लोग शामिल है। ज्यादातर सम्मेलन 4, 11 और 18 जनवरी रविवार को होंगे। हर सम्मेलन में संबंधित मंडल,बस्ती में आने वाली मोहल्लों,कालोनियों के हर हिंदू परिवार को पीले अक्षत से आमंत्रित किया जा रहा है। आयोजन स्थल भी तय किए जा चुके हैं। संघ के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर आयोजन समितियां 2 माह से इसकी तैयारी कर रही हैं। लगातार बैठके चल रही हैं। कई आयोजन स्थलो पर ध्वजारोहण कर भूमिपूजन हो गये हे।

सम्मेलन के पूर्व ही जिले भर में हिन्दुमय वातावरण बनने लगा है। प्रभात फेरिया, भजन ओर सुंदर कांड के आयोजन हो रहे हैं। घर घर भगवा पताकाए लग रही है और परिवारों के बीच रुद्राक्ष वितरित किए जा रहे हैं।सफल आयोजन हेतू लगने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए छोटी छोटी टोलिया भी गठित हुई है। बौद्धिक चर्चा होगी, सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्यक्रम, आखिर में समरसता भोज भी। हिंदू सम्मेलन के दौरान 3 से 4 घंटे कार्यक्रम चलेंगे। सभी हिंदू सम्मेलनो में एक मातृ शक्ति वक्ता रहने वाली है । मंच से वक्ताओं द्वारा पंच परिवर्तन के 5 विषय सामाजिक समरसता, स्व , परिवार प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक अनुशासन विषयों पर विचार रखे जाएंगे। । सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसमें बच्चों की भी सहभागिता होगी। आखिर में समरसता भोज भी होगा। इसमें सभी साथ बैठकर भोजन करेंगे।

ज्योतिबा फुले बस्ती में हिंदू सम्मेलन के निमित्त भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न

धार। संगठन की शक्ति और संकल्प का अनुपम दृश्य आज ज्योतिबा फुले बस्ती में देखने को मिला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पावन उपलक्ष में आगामी 4 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन का भूमि पूजन कार्यक्रम आज अत्यंत उत्साह और गरिमा में वातावरण में संपन्न हुआ।

भक्ति और शक्ति का संगम – मोती बाग चौक परिसर में विद्वान पंडित गोपाल जोशी के सानिध्य में पूर्ण विधि विधान और मन्त्रोचार के साथ भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की उत्साहजनक उपस्थिति ने नव ऊर्जा का संचार किया।

नारी शक्ति की अनुकरणीय सहभागिता – आज के कार्यक्रम का सबसे प्रेरक और भावुक पक्ष माता बहनों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की विशेषता यह हैं कि मातृशक्ति द्वारा ही प्रत्येक हिंदू घर में पीले चावल देकर निमंत्रण दिया जा रहा हैं। जिस प्रकार मातृशक्ति ने घर की दहलीज से निकलकर हिंदू सम्मेलन के संकल्प के लिए अपनी एकजुटता दिखाई वह न केवल प्रशंसनीय है बल्कि यह संकेत है कि आने वाला हिंदू सम्मेलन ऐतिहासिक होगा उनकी उपस्थिति ने सिद्ध कर दिया कि धर्म और संस्कृति के संरक्षण में नारी शक्ति सदैव अग्रणी है। प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति कायक्रम को सफल बनाने में संयोजक रणजीत गावड़े व सहसंयोजक सुरेश राठौड़ दिलीप पटेल ने सक्रिय भूमिका निभाई। भूमि पूजन कार्यक्रम में ज्योतिबा फुले बस्ती के प्रत्येक मोहल्ले के प्रबुद्ध जन व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। यह केवल एक आयोजन की शुरुआत नहीं बल्कि हिंदू समाज की समरसता और एकजुटता का शंखनाद है। आज भूमि पूजन में उमड़ा यह जनसैलाब आने वाले भव्य सम्मेलन की सफलता की पहली सीढ़ी है।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2026

योग्य जीवनसाथी की चाह में धार में जुटेंगे देशभर के युवक-युवती

धार। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा धार द्वारा अग्रवाल समाज धार के सानिध्य में दो दिवसीय आयोजित अखिल भारतीय विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन धार स्थित श्रद्धा शगुन गार्डन में 10 से 11 जनवरी को होगा। सम्मेलन के लिए देश-विदेश से प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी हैं। परिचय सम्मेलन के लिए आगामी 10 व 11 जनवरी को होने वाले विवाह योग्य अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन की सम्पूर्ण रूपरेखा कर तैयारियो को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें योग्य जीवनसाथी की चाह लिए देशभर के युवक-युवती जुटेंगे। सुबह से शाम तक चर्चा का दौर चलेगा और कई रिश्ते तय होंगे। इस दौरान सामाजिक सरोकार की बात भी होगी।

इस सम्मेलन से प्रत्याशियों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर अलग-अलग शहरों के युवक-युवतियों को जानने और समझने का मौका मिलेगा। सम्मेलन के मुख्य संयोजक बबनलाल अग्रवाल,अनन्त अग्रवाल,मनोहरलाल अग्रवाल,सयोंजक गोपीकिशन अग्रवाल ने 35 से अधिक समितियों का गठन किया गया है। बाहर से आने वाले प्रत्याशियों और अभिभावकों के लिए ठहरने की व्यवस्था भी निशुल्क की गई है। सम्मेलन स्थल पर कम्प्यूटर से कुंडली मिलान, पंडित से कुंडली मिलान, अभिभावक चर्चा कक्ष और युवक-युवती चर्चा कक्ष भी बनाए जाएंगे।स्मारिका में प्रकाशित करने के लिए काफी विज्ञापन आ चुके हैं। यह परिचय सम्मेलन जिले में ऐतिहासिक होगा। अभी तक 10 राज्यो से 500 से अधिक अविवाहित युवक एवं 300 से अधिक युवतियों के सैकड़ों बायोडाटा आ चुके हैं जिसमे अधिकांश डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए, सीए, एमसीए जैसे उच्च शिक्षित एवं स्वयं के रोजगार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं आयोजन में युवक-युवतियां मंच से अपना परिचय देंगे। परिचय सम्मेलन के लिए पूरा प्रचार प्रसार किया जा रहा है। सम्मेलन के पदाधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं एवं पदाधिकारियों को अपनी-अपनी ड्यूटी बांट दी गई है। यहां युवक-युवतियों के अभिभावक यदि परिवारों से वार्तालाप करना चाहेंगे तो उनके लिए कैबिननुमा व्यवस्था भी रहेगी। साथ ही आयोजकों द्वारा बाहर से आने वाले समाजजन के लिए अलग से व्यवस्था भी की जा रही है। साथ ही समिति द्वारा 50 वर्ष से ऊपर विवाह वर्षगाठ वाले जोड़ो का सम्मान किया जाएगा। जानकारी मीडिया प्रभारी अशोक मित्तल एवं श्याम मंगल लेबड़ ने दी।

एमपी कृषि पोर्टल से किसान ऑनलाइन बुक कर सकेंगे खाद का ई-टोकन

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास बैतूल कार्यालय द्वारा बुधवार को विभिन्न अधिकारियों तथा उर्वरक विक्रेताओं को ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत ई-टोकन से खाद लेने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। किसान कल्याण तथा कृषि विकास उप संचालक ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से किसानों की सुविधा के लिए ई-टोकन सिस्टम शुरू हो रहा है। इसमें किसान घर बैठे एमपी कृषि पोर्टल के जरिए ऑनलाइन ई-टोकन जनरेट कर सकेंगे। किसान के मोबाइल पर ई-टोकन जारी होगा। इसे दिखाकर किसान तीन दिन के अंदर संबंधित समिति, एमपी एग्रो, डीएमओ केंद्र और प्राइवेट केंद्र पर जाकर खाद उठा सकेंगे।

एक माह से तेंदुआ पकड़ से बाहर, भौंरा में दहशत बरकरार

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम फिलहाल अन्य ऑपरेशन में, लौटने पर तेज होंगे प्रयास

बैतूल/भौंरा। भौंरा के आसपास पिछले एक माह से तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। रहवासी इलाकों और मुख्य सडक़ों के आसपास तेंदुए की आवाजाही के बीच अब तक उसे पकड़ने में वन विभाग को सफलता नहीं मिल सकी है। हाल ही में माता मोहल्ला के करीब स्थित रहवासी क्षेत्र में गाय का शिकार होने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में चार पिंजरे लगाए हैं। पिंजरों में चारे के साथ कैमरे भी लगाए गए हैं, ताकि उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। कैमरा ट्रैप में तेंदुआ कई बार पिंजरों के आसपास घूमता दिखाई दिया है, लेकिन हर बार भीतर जाने से बच निकल रहा है। नई तकनीक से तैयार पिंजरा भी लगाया गया, पर वह भी अब तक कारगर साबित नहीं हो सका है। भौंरा परिक्षेत्र अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने बताया कि वर्तमान में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम को किसी अन्य क्षेत्र में टाइगर रेस्क्यू के लिए हाथियों के साथ भेजा गया है। इसी कारण फिलहाल वही टीम भौंरा क्षेत्र में तेंदुए के रेस्क्यू में शामिल नहीं हो पा रही है। जैसे ही टीम वापस लौटेगी, यहां तेंदुए को पकड़ने के प्रयास फिर से तेज किए जाएंगे।

ग्रामीणों की बढ़ती चिंता – ग्राम भौंरा निवासी महेंद्र सिरोठिया ने कहा कि तेंदुआ अब गांव के बीच तक आ गया है। गाय का शिकार घरों के पास हुआ, इससे लोग बहुत डरे हुए हैं। बच्चों और महिलाओं को बाहर निकालना मुश्किल हो गया है। वहीं स्थानीय निवासी अजय मिश्रा ने चिंता जताते हुए कहा रात होते ही पूरा इलाका सन्नाटे में चला जाता है। लोग डर के कारण अपने घरों में कैद हो रहे हैं। जब तक तेंदुआ पकड़ा नहीं जाता, तब तक यह डर बना रहेगा। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों को रात के समय बाहर न निकलने, मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्र में नियमित गश्त और पिंजरों की निगरानी जारी है।

सरकारी कार्यालय में पेट्रोल डालकर आत्महत्या का प्रयास

बैतूल में काम से हटाने पर नाराज थी महिला

बैतूल। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय में बुधवार को उस समय हडक़ंप मच गया, जब एक अंशकालीन महिला कर्मचारी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। महिला काम से हटाए जाने को लेकर नाराज थी और सहायक आयुक्त से मिलने कार्यालय पहुंची थी। चंपा वट्टी नामक महिला छात्रावास में रसोइया के रूप में अंशकालीन कार्यरत थी। वह अपनी सेवाएं समाप्त किए जाने की शिकायत लेकर सहायक आयुक्त (एसी ट्राइबल) विवेक पांडे से चर्चा कर रही थी। इसी दौरान महिला ने अपने साथ लाई बोतल से खुद पर पेट्रोल डाल लिया और माचिस मांगने लगी। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला और महिला को आग लगाने से रोक लिया। इसके बाद सहायक आयुक्त विवेक पांडे ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत सामान्य है। घटना के समय महिला के साथ अन्य अंशकालीन रसोइए भी मौजूद थीं। उन्होंने बताया कि वे पिछले 15 से 20 वर्षों से छात्रावासों में काम कर रही हैं, लेकिन हाल में बिना पूर्व सूचना के हटाए जाने की स्थिति बन गई है। रसोइयों ने चेतावनी दी कि यदि सेवाएं बहाल नहीं की गईं तो वे भी ऐसा कदम उठाने को मजबूर होंगी। सहायक आयुक्त विवेक पांडे ने पत्रकारों को स्पष्ट किया कि किसी भी कर्मचारी को हटाने का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि हालिया समीक्षा में यह सामने आया है कि कई छात्रावासों में स्वीकृत पदों से अधिक कर्मचारी बिना नियुक्ति आदेश के रखे गए हैं। ऐसे कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इसी निर्णय के विरोध में अंशकालीन कर्मचारी पिछले कुछ दिनों से ज्ञापन सौंप रहे हैं। मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर स्थिति की समीक्षा की जा रही है।

इनका कहना – किसी भी कर्मचारी को हटाने का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। हालिया समीक्षा में यह सामने आया है कि कई छात्रावासों में स्वीकृत पदों से अधिक कर्मचारी बिना नियुक्ति आदेश के रखे गए हैं। ऐसे कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का निर्णय प्रशासन द्वारा लिया गया है। उक्त महिला जिस छात्रावास में अंशकालीन रसोइया के रूप में कार्यरत थी। वहां तीन कर्मचारी स्थायी रूप से कार्यरत है।

विवेक पांडे, सहायक आयुक्त
ट्राइबल विभाग बैतूल

वेस्टेज से भी तैयार की जा सकती हैं कई उपयोगी वस्तुएं : नेहा गर्ग

श्री अग्रसेन महाराज विद्यालय में आयोजित हुआ बेस्ट मॉम ग्लो कार्यक्रम

बैतूल। श्री अग्रसेन महाराज विद्यालय गंज बैतूल में मातृशक्ति के सम्मान में बेस्ट मॉम ग्लो सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन राजस्थानी थीम पर किया गया। इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर को राजस्थानी संस्कृति के रंगों से सजाया गया, जिससे कार्यक्रम पूरी तरह पारंपरिक और सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर अनिल राठौर, डॉ. ओ.पी. राठौर, डॉ. रिशांक राठौर, बैतूल की पहली महिला ब्रांड एंबेसडर श्रीमती नेहा गर्ग, बैतूल की पहली महिला पत्रकार एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती गौरी बालापुरे पदम, श्रीमती नीता वराठे, श्रीमती निशा राठौर एवं श्रीमती माला राठौर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सुरेश चढ़ोकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डायरेक्टर अनिल राठौर ने कहा कि नारी शक्ति समाज के लिए प्रेरणा है और मातृत्व त्याग, प्रेम एवं संस्कारों का मूल स्रोत है।

हरदौली जल आवर्धन योजना की प्रयोगशाला बंद, नगर में पहुंच रहा गंदा पानी

● महिला पार्षद ने फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर जताई नाराजगी, रखरखाव पर उठाए सवाल

बैतूल/ मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई हरदौली जल आवर्धन योजना आज नगरवासियों के लिए वरदान साबित नहीं हो पा रही है। योजना का एक बड़ा हिस्सा जहां आधा-अधूरा पड़ा है, वहीं जो संरचनाएं बनी हैं वे भी उचित रखरखाव के अभाव में जर्जर होती जा रही हैं। नगर में एक बार फिर हरदौली जल आवर्धन योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल के स्थान पर गंदा पानी आपूर्ति किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थिति यह है कि लैब टेक्नीशियन के अभाव में फिल्टर प्लांट की प्रयोगशाला बंद पड़ी है, जबकि पानी से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल को हटाने वाली ब्रिज रोटर मशीन भी बंद बताई जा रही है। ऐसे में नगरवासियों को शुद्ध पेयजल कैसे मिलेगा, इसको लेकर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

महिला पार्षद ने किया प्लांट का निरीक्षण – लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विवेकानंद वार्ड की पार्षद अंजलि सुमित शिवहरे ने हरदौली डेम स्थित फिल्टर प्लांट पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पार्षद अंजलि शिवहरे ने बताया कि फिल्टर प्लांट पर मौजूद नगरपालिका कर्मचारी ने जानकारी दी कि पानी का वेस्ट मटेरियल निकालने वाली ब्रिज रोटर मशीन बंद है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए जलप्रदाय प्रभारी योगेश अनेराव से चर्चा की और मशीन को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए। प्रभारी द्वारा मशीन जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया गया।

पहले भी फैल चुका है बीमारियों का प्रकोप –पार्षद अंजलि शिवहरे ने कहा कि कुछ माह पूर्व नगर में दूषित पानी के कारण बीमारियों का प्रकोप फैल चुका है, ऐसे में नगरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना नगरपालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में फिर से गंदा पानी मिलने की शिकायतें आ रही थीं, इसी कारण फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया।

पानी जांच की प्रयोगशाला भी बंद – निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि फिल्टर प्लांट में पानी की शुद्धता जांच के लिए बनी प्रयोगशाला बंद है। जानकारी मिली कि लेब टेक्नीशियन नहीं होने के कारण प्रयोगशाला बंद कर दी गई है। वर्तमान में केवल पानी का टीडीएस और पीएच मान ही प्लांट पर जांचा जा रहा है, जबकि अन्य आवश्यक जांच के लिए पानी के सैंपल महीने में एक बार बैतूल भेजे जा रहे हैं।

सीएमओ से की प्रतिदिन जांच की मांग – महिला पार्षद ने सीएमओ से मांग की है कि पानी की शुद्धता के लिए प्रयोगशाला में प्रतिदिन रंग, स्वाद, टोटल हार्डनेस और बैक्टीरिया की मात्रा जैसी जरूरी जांचें कराई जाएं। उन्होंने शीघ्र लेब टेक्नीशियन की नियुक्ति कर प्रयोगशाला शुरू करने की मांग की, ताकि नगरवासियों को सुरक्षित पेयजल मिल सके।

इनका कहना है –
फिलहाल टीडीएस और पीएच की जांच प्रतिदिन की जा रही है, जिसका रजिस्टर संधारित है। लैब टेस्टिंग पीएचई विभाग के माध्यम से कराई जाती है। ब्रिज रोटर मशीन आज ही खराब हुई है, जिसे आज ही दुरुस्त कराया जा रहा है।

— योगेश अनेराव, उपयंत्री,
नगर पालिका मुलताई

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की स्वरोजगार और रोजगारमूलक योजनाओं की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में शासन की स्वरोजगार एवं रोजगारमूलक योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मत्स्योद्योग विभाग, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों की विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों में पात्रतानुसार शीघ्रता से स्वीकृति और राशि वितरण की कार्यवाही पूर्ण कराएं। उन्होंने बैंकवार आचार्य विद्यासागर योजना, पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना और स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए लंबित रहने का कारण पूछते हुए शीघ्रता से प्रकरणों में कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार पीएम स्वनिधि योजना की भी समीक्षा कर लाभ वितरण के निर्देश दिए। बैठक में एलडीएम, संबंधित विभागों के अधिकारी और बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'बीओसीडब्ल्यू आयुष्मान कार्ड सैचुरेशन अभियान' 1 से 31 जनवरी तक

नर्मदापुरम (निप्र)। सहायक श्रम आयुक्त, नर्मदापुरम ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा आयुष्मान भारत निरामयम् के संयुक्त तत्वावधान में मंडल के अंतर्गत पंजीकृत पात्र निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु 'बीओसीडब्ल्यू आयुष्मान कार्ड सैचुरेशन अभियान' का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह अभियान 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत सभी पात्र निर्माण श्रमिकों एवं उनके पात्र परिवारजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। सहायक श्रम आयुक्त ने अपील की है कि मंडल अंतर्गत पंजीकृत समस्त श्रमिक एवं उनके पात्र सदस्य अभियान अवधि में अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं।

दूरदर्शन भोपाल के 'भरोसा सच का' कार्यक्रम में विदिशा की ड्रोन दीदी की सहभागिता

विदिशा (निप्र)। दूरदर्शन भोपाल द्वारा 'भरोसा सच का' कार्यक्रम के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरणरू आत्मनिर्भरता से नेतृत्व की ओर' विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला विदिशा का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्राम पंचायत रंगई, जनपद पंचायत विदिशा से ड्रोन दीदी श्रीमती प्रभा वर्मा ने सहभागिता की। बुधवार 24 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रीमती प्रभा वर्मा ने ड्रोन तकनीक के माध्यम से कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों, महिलाओं की आय वृद्धि तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में मिले अवसरों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तकनीकी प्रशिक्षण एवं शासन की योजनाओं के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए आगे आ रही हैं। दूरदर्शन भोपाल के इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की सफल कहानियों को व्यापक मंच मिला। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि नवाचार, तकनीक और सतत् सहयोग के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। जिला विदिशा की यह सहभागिता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी।

ग्राम पंचायत कुटंगा के झिरना धाम में जन सहयोग से किया बोरी बंधान

बैतूल (निप्र)। मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष व राज्यमंत्री दर्जा श्री मोहन नागर तथा जिला कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जन अभियान परिषद विकासखंड चिचोली एवं भीमपुर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को बोरी बंधान कार्यक्रम का आयोजन भीमपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुटंगा के झिरना धाम में किया गया। जन अभियान परिषद से जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि बोरी बंधान में लगभग 400 बोरियों का उपयोग कर जल संचयन किया गया। इस बोरी बंधान के माध्यम से संचित जल का उपयोग सिंचाई एवं ग्रीष्मकाल में विभिन्न आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।

गर्भवती महिलाओं की डोर टू डोर मॉनीटरिंग के दिए निर्देश

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभागीय गतिविधियों और योजनाओं की साप्ताहिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे से गत बैठक में दिए गए निर्देशों के पालनार्थ की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं और अभियानों का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए।

गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ ही 7.5 हीमोग्लोबिन वाली गर्भवती महिलाओं की डोर टू डोर मॉनीटरिंग की जाए। साथ ही सभी सिविल अस्पतालों के नियमित निरीक्षण के साथ ही बैठक लेकर समीक्षा भी करें। उन्होंने एमएमआर, आईएमआर तथा एएनसी की गहन मॉनीटरिंग के साथ ही सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनवाने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में सब्जी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने कलस्टर विकसित किए जाने हेतु कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए डीपीएम एनआरएलएम तथा संबंधित जिला अधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए निर्देशित किया कि जिन हितग्राहियों के प्रकरण स्वीकृत हो गए हैं, उनमें राशि वितरण कराते हुए कार्य शीघ्र प्रारंभ किए गए। साथ ही संयुक्त रूप से भ्रमण करने के लिए भी कहा। उन्होंने उप संचालक कृषि को प्रति रविवार आयोजित होने वाले जैविक हाट बाजार का विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

शासकीय विद्यालयों का नियमित भ्रमण करें जिला अधिकारी : कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिला अधिकारियों से शासकीय विद्यालयों के निरीक्षण की जानकारी लेते हुए कहा कि विद्यालयों का निरीक्षण नियमित रूप से किया जाए। विद्यालयों के प्राचार्य तथा शिक्षकों से शैक्षणिक गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम में वृद्धि हेतु संवाद करें और निरीक्षण के उपरांत शैक्षणिक गुणवत्ता, व्यवस्थाओं में आ रहे सुधार का भी अवलोकन करें।

सीएम हेल्पलाईन शिकायतकर्ताओं से मोबाईल पर किया संवाद : सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी जिला अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक शिकायतों का अंतिम निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन पोर्टल ओपन कराकर अधिकारियों द्वारा निराकरण संबंधी कार्यवाही तथा दर्ज किए गए जबाव देखें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सिलवानी तहसील की देवरी मढ़िया निवासी श्री प्रदीप कुमार द्वारा दर्ज कराई गई सीएम हेल्पलाईन का अवलोकन कर शिकायकर्ता से मोबाईल पर संवाद किया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा को प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्होंने कृषि भूमि के खसरे के अपडेट हेतु आवेदन दिया गया था, लेकिन आज दिनांक तक अपडेट नहीं किया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सिलवानी एसडीएम को शीघ्र कार्यवाही करते हुए प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले संबंधितों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने की हिदायत भी दी। इसी प्रकार शिकायतकर्ता शिवनारायण से भी मोबाईल पर संवाद कर शिकायत की वस्तुस्थिति और संबंधित अधिकारी द्वारा बात या चर्चा किए जाने की जानकारी ली। शिवनारायण द्वारा निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आवेदन देने के उपरांत भी आज दिनांक तक लाभ नहीं मिलने की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बॉथम को इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया।

राजस्व कार्यालयों को आईएसओ सर्टिफाइड कराने दिए निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम और तहसीलदार से अपने-अपने कार्यालयों को आईएसओ सर्टिफाइड कराने संबंधी कार्यवाही की जानकारी लेते हुए निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समयावधि में जबावदावा दर्ज कराने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही सिविल कोर्ट के प्रकरणों में भी जबावदावा दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला विपणन अधिकारी से खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों को सुगमता से खाद वितरण किया जाए। इसी प्रकार सभी एसडीएम को भी किसान संगठनों से नियमित चर्चा करने और क्षेत्र में भ्रमण करने के निर्देश दिए। बैठक में श्रम विभाग, लोक निर्माण विभाग, महिला बाल विकास, पंचायत विभाग, सहकारिता विभाग, पीएचई, जल संसाधन सहित अन्य विभागों की गतिविधियों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर्स तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न

प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छता और अमृत योजना 2.0 की प्रगति की हुई विस्तृत समीक्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति (शहरी विकास) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा, पिपरिया विधायक प्रतिनिधि श्री नवनीत नागपाल, नगर पालिका अध्यक्ष नर्मदापुरम श्रीमती नीतू यादव, नगर पालिका अध्यक्ष इटारसी श्री पंकज चौरे, नगर पालिका अध्यक्ष सिवनी मालवा श्री रितेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 एवं 2.0 की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में चर्चा की गई। अमृत योजना 2.0 अंतर्गत संचालित परियोजनाओं एवं गीता भवन परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन की प्रगति की भी समीक्षा की गई।कलेक्टर सुश्री मीना ने समस्त नगर पालिका सीएमओ को निर्देशित किया कि गीता भवन परियोजना के क्रियान्वयन में नियमित फॉलो-अप लिया जाए। उन्होंने गीता भवन हेतु भूमि आवंटन एवं चिन्हांकन की प्रक्रिया में संबंधित एसडीएम से सतत समन्वय स्थापित कर आगामी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विधायकगणों एवं समस्त जनप्रतिनिधियों को आवासीय पट्टों से संबंधित स्वीकृत एवं अस्वीकृत प्रकरणों की बिंदुवार जानकारी सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए शासकीय कन्या महाविद्यालय की एनसीसी की दो छात्राओं का चयन

विदिशा (निप्र)। दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा से एनसीसी कैडेट्स सार्जेंट दामिनी विश्वकर्मा और लांस कॉरपोरल सिमरन अहिरवार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित हुई हैं। 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा के कामन अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र और प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सनी वैद्य के मार्गदर्शन और निर्देशन के साथ ही कैडेट्स की कठोर परिश्रम की वजह से उनका चयन कर्तव्य पथ और पीएम रैली दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

विदिशा जिले की 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा से 5 कैडेट चयनित हुए हैं, जिसमें से दो कैडेट शासकीय कन्या अग्रणी महाविद्यालय विदिशा की है। दामिनी विश्वकर्मा बीसीएसी तृतीय वर्ष की छात्रा हैं, उनके पिता कृषक हैं और वह दीवानगंज के एक गांव अंबाडी से आती है, जबकि सिमरन अहिरवार बीए तृतीय वर्ष की छात्रा हैं जो कि गांव नरखेडा ताल से हैं जो विदिशा जिले से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर है और उनके पिता भी कृषक हैं। सिमरन पोस्ट मैट्रिक छात्रावास विदिशा में रहकर अपनी पढ़ाई कर रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर बीडी अहिरवार और एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर विनीता प्रजापति ने बताया कि दामिनी और सिमरन लगातार ईमानदारी और पूर्ण निष्ठा से एनसीसी की सभी परेड और एक्टिविटी में अपनी सहभागिता निभा रही थीं। उनकी इस लगन और किए गए कठोर परिश्रम से यह बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

इस उपलब्धि पर पूरे महाविद्यालय को उन पर गर्व है। इस चयन प्रक्रिया के लिए हमेशा महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर बी.डी. अहिरवार और एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर विनीता प्रजापति ने सहयोग प्रदान कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया है। दामिनी और सिमरन लगातार 2 माह से आरडीसी सिलेक्शन प्रक्रिया में अपनी सहभागिता कर रही थीं और सिलेक्शन की कठोर प्रक्रिया पूरी करने के बाद अलग-अलग कैंपों में चयनित होने के बाद अंतिम चयन दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित हुई हैं। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर नीता पांडे, डॉक्टर एन पी अरोरा, डॉक्टर मलखान सिंह सहित समस्त स्टाफ ने खुशी व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की हैं।

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आयोजित

कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सीहोर (निप्र)। उद्यम विभाग के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक कलेक्टर एवं बोर्ड अध्यक्ष श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड के समस्त शासकीय एवं अशासकीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक में कहा कि जिले में स्वस्थ उद्योग रोजगार सृजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनके समुचित संवर्धन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने उद्योग क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में पानी, सड़क, बिजली एवं मोबाइल नेटवर्क जैसी आवश्यक सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी उद्योग को विभागीय प्रक्रियाओं में कठिनाई आ रही है तो उसका त्वरित निराकरण किया जाए, ताकि उद्यमियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में मध्यप्रदेश स्वस्थ विकास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, जिले में नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन, तथा संचालित उद्योगों की समस्याओं के समाधान जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की अनुशंसाएं व्यवस्थित रूप से तैयार कर राज्य स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड को भेजी जाएं, जिससे जिले की औद्योगिक आवश्यकताओं को राज्य स्तर पर उचित समर्थन मिल सके।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विगत बैठक मे दिए निर्देश एवं बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में यह भी बताया गया कि बोर्ड की बैठकों के माध्यम से उद्योगों से जुड़ी समस्याओं की नियमित समीक्षा की जाएगी और प्रत्येक तीन माह में बैठक आयोजित कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले को औद्योगिक दृष्टि से सशक्त बनाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। बैठक में उद्यम विभाग के महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय सदस्य, उद्योगों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सीएचसी पीपलखेड़ा में रोगी कल्याण सभा की साधारण बैठक आयोजित

विदिशा (निप्र)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीपलखेड़ा में रोगी कल्याण सभा की साधारण सभा की बैठक आज शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक में स्वास्थ्य संस्थान में आने वाले हितग्राहियों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई। विधायक श्री मीणा जी ने कहा कि रोगी कल्याण सभा का मुख्य उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए अस्पताल में स्वच्छता, दवाओं की उपलब्धता, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, जांच एवं उपचार सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।बैठक में जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी जी, श्री शैलेन्द्र सिंह ठाकुर जी, बीएमओ विदिशा डॉ. विकास सिंह, सीईओ जनपद पंचायत विदिशा श्री गगन वाजपेई, तहसीलदार ग्रामीण विदिशा श्री ओम बाबू बघेल, डॉ. रोहित पुरोहित, श्री रामबाबू मीणा, श्री संजय सिंह रघुवंशी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं स्वास्थ्य केंद्र का स्टाफ उपस्थित रहा।

जनहित के कार्यों में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं, समय-सीमा में हो काम :कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं प्रकरणों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।इसके लिए विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि समन्वय और नियमित समीक्षा से ही बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। सभी अधिकारी सतत फील्ड में रहकर कार्यों को देखें और समस्याओं का मौके पर समाधान करें।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों की समीक्षा: बैठक के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आगामी गणतंत्र दिवस समारोह 2026 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मंच सज्जा, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकी, अतिथि व्यवस्था, सुरक्षा एवं स्वच्छता, पेयजल, लाइटिंग, सहित सभी व्यवस्थाओं के लिए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समारोह को गरिमामय एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

1 जनवरी से फार्मर आईडी से होगा खाद का वितरण प्रारंभ

50 प्रतिशत से कम वसूली पर पर कार्रवाई के निर्देश : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नगरीय प्रशासन विभाग की कर वसूली की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। जलकर, संपत्ति कर, भूमि, दुकान और बाजार शुल्क सहित सभी मदों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि वसूली में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर पालिका और नगर परिषदों के सीएमओ को निर्देश दिए कि वसूली अभियान में तेजी लाई जाए। उन्होंने एसडीएम और तहसीलदारों को भी अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देशित किया कि इस सप्ताह जिन नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत से कम वसूली पाई जाएगी, वहां जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बकाया करदाताओं की सूची तैयार कर विशेष अभियान चलाने, बड़े बकायादारों से प्राथमिकता के आधार पर वसूली करने के निर्देश दिए।

50 दिवसीय शिकायत का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग किसान कल्याण, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग, नगरीय आवास को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता से संवाद कर वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवसीय शिकायतों को लंबित रखने वाले तहसीलदार, नायब तहसीलदार को शोकाज नोटिस देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की समीक्षा: कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने एमपीईबी, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा तथा स्वास्थ्य विभाग को अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे, इसके लिए संबंधित विभाग सक्रिय भूमिका निभाएं और प्रशिक्षण व रोजगार से जुड़ी प्रक्रियाओं में भी तेजी लाए। इसके अलावा उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं में विभागीय प्रगति को शत-प्रतिशत प्राप्त कर सीएम डैशबोर्ड और विभागीय पोर्टल पर दर्ज करें, इसमें समस्या आने पर विभाग प्रमुख से संपर्क कर समुचित निराकरण कराएं। उन्होंने पीएम स्व निधि योजना में लक्ष्य से अधिक प्रगति पर सभी सीएमओ की सराहना की।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा एवं अन्य राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में देरी आमजन को अनावश्यक परेशानी में डालती है, इसलिए पटवारियों से लेकर तहसीलदार स्तर तक जिम्मेदारी तय की जाए। बैठक में निर्माणाधीन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा के साथ-साथ गुणवत्ता भी सर्वोपरि है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने वन स्थापना अधिनियम, वन अधिकार पट्टे के लंबित प्रकरणों पर सभी एसडीएम और जनपद सीईओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

राइट क्लिक

'न्यू ईयर' पर इस हाईब्रिड श्रद्धा के क्या निहितार्थ हैं?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

'न्यू ईयर' पर इस साल भी खूब जश्न मना, और मनेगा। खाना पीना हुआ, नाच गाना हुआ। नया साल मौज मस्ती से शुरू हो, यह कौन नहीं चाहेगा। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय और प्रकारांतर से ईसाई नववर्ष पर हिंदू मंदिरों में बेतहाशा भीड़ जुटने के क्या निहितार्थ हैं? न तो भारतीय पंचांग और न ही हिंदू देवताओं की दृष्टि से यह कर्मकांड मेल खाता है और न ही एक पुरूषार्थी नस्ल से अपेक्षा के अनुरूप है। किसी भी शुभ कार्य का आरंभ देव दर्शन से हो, यह भारतीय परंपरा है, लेकिन न्यू ईयर पर धक्के खाकर भी देवताओं के दरबार में हाजिरी लगाने के पीछे कौन सी आस्था है? आजकल 'न्यू ईयर' पर भीड़ तो भारत में जन्मे सभी धर्मों के आराधना स्थलों पर होने लगी है, लेकिन हिंदू धार्मिक स्थलों पर तो यह उन्माद रिकॉर्ड तोड़ है। अधिकांश हिंदू इस बात से गदगद हैं कि 1 जनवरी को देश भर के मंदिरों में रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी, रिकॉर्ड चढ़ावा चढ़ा, दर्शनार्थियों की किलोमीटरों लंबी लाइनें लगीं, रिकॉर्ड रेलमपेल हुई, व्यवस्था के तटबंध टूटे। गोया साल के पहले दिन कृपा बरसी तो पूरा साल झकाझक। नए साल का आगाज भगवान के दर्शन से शुरू करने का यह नया जुनून अब परवान चढ़ता जा रहा है। पहले भी मंदिरों में तीज त्यौहारों पर भीड़ होती थी, लेकिन अब जो रहा है, उसका कोई तार्किक, धार्मिक और पौराणिक आधार नहीं मिलता। क्या यह नया हाइब्रिड हिंदू धर्म है, जिसमें अपनी सुविधा और स्वार्थानुसार सब एडजस्ट कर लिया जाता है? या यह नए साल के जश्न में धार्मिक तड़का लगाने का शौक है? क्या इसे विश्व भर में मान्य नव वर्ष की शुरूआत आध्यात्मिक भाव से करने का सात्विक आग्रह मानें अथवा एक आयातित पंचांग के साथ हिंदू देवी-देवताओं की कृपा संगति बिठाने का आग्रह है? इसे हम हिंदू मन की अति उदारता मानें या फिर नए किस्म की तर्कहीन श्रद्धा? केवल भीड़ का गर्व का पर्याय मानने की जगह एक खास घड़ी में देव दर्शन कर स्वयं को धन्य मानने वाले खुद से भी सवाल करें कि जिस धर्म में वर्षारंभ मोटे तौर पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा अथवा वैशाख माह से माना जाता हो, उस धर्म के पूज्य देवता देसी पंचाग को दरकिनार कर 1 जनवरी पर सुख-समृद्धि का वरदान कैसे और क्योंकर देंगे? अगर यही मान्यता और आस्था अडिग है तो हमे भारतीय कैलेंडरों का वर्षारंभ भी दुरूस्त कर लेना चाहिए, जो कि वैदिक काल से चला आ रहा है और उसमें भी समय-समय पर सुधार होते रहे हैं।

भारतीयों और खासकर हिंदुओं का ह्रदय विशाल है, यह अच्छी बात है, लेकिन आस्था के प्रकटीकरण में कोई तार्किक संगति भी तो हो। दुनिया भर में 1 जनवरी से प्रारंभ होने वाला वार्षिक कैलेंडर ग्रिगोरियन कैलेंडर है, जिसे ग्रेगरी पोप तेरहवें ने 1582 में प्रचलित किया। यह कैलेंडर भी यूरोप में पूर्व में प्रचलित जूलियन कैलेंडर का संशोधित रूप था। इस कैलेंडर में साल के पहले जनवरी माह का नामकरण रोमन देवता जेनुस के नाम पर किया गया है, जिसे आरंभ और संक्रांति का देवता माना जाता था। ईसाइयों ने भी उसे अपना लिया। यह बात अलग है कि ग्रेगोरी पोप ने कैलेंडर में जो सुधार सोलहवीं सदी में किए वह भारतीय ज्योति शास्त्र के सूर्यसिद्धांत में करीब एक हजार पहले काफी कुछ किए जा चुके थे। उसी ग्रिगोरियन कैलेंडर को अंग्रेज को भारत में लाए और तत्कालीन ईस्ट इंडिया कंपनी ने 14 सितंबर 1752 को अपने प्रभाव क्षेत्र और कामकाज में लागू किया। अब यही अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में मान्य है। दुनिया के सभी व्यवहार इसी के अनुसार होते हैं। हालांकि भारत में पहले से प्रचलित हिंदू और इस्लामिक कैलेंडर भी चलन में रहे। आजादी के बाद भारत में 1957 में देशी पंचांग के रूप में शक संवत को मान्यता दी गई। फिर भी नव वर्षारंभ पर देव दर्शन के जुनून का कहीं कोई उल्लेख नहीं मिलता। भारत में मान्य शक संवत और विक्रम संवत् दोनो ही चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) से प्रारंभ होते हैं। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने इसी दिन सृष्टि की रचना की। इस वर्षारंभ को आंध्र, कर्नाटक में उगादि भी कहते हैं। कोशिश यही है कि गुड़ी पड़वा को ही एकमत से हिंदू नववर्षारंभ मान लिया जाए। लेकिन सभी हिंदुओं का नववर्ष गुड़ी पड़वा से शुरू नहीं होता। गुजरातियों, बंगालियों, तमिलों, कश्मीरी पंडितों के अपने नववर्षारंभ हैं। गुजरातियों का नव वर्ष बेस्तु बरस कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से, बंगालियों का पोइला बैशाख 14 15 अप्रैल से, तमिलों को पुथुंडू तथा मलयालियों को नव वर्ष विशु 14 अप्रैल तो कश्मीरियों का नया साल नवरेह अप्रैल में भी ही प्रारंभ होता है।

लेकिन इनमें से किसी का वास्ता 1 जनवरी से नहीं है। यहां बुनियादी सवाल यह है 1 जनवरी को हिंदू देवी-देवताओं से आशीर्वाद मांगने और इसके लिए तीर्थ स्थानों पर बेलगाम भीड़ बढ़ाने का औचित्य क्या है? खुशी की बात इतनी है कि लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं के पहुंचने से पर्यटन फल-फूल रहा है और स्थानीय लोगों की कमाई बढ़ गई है। लेकिन इस प्रश्न का कोई जवाब नहीं है कि अगर हिंदू देवी-देवता एक जनवरी को भी भक्तों पर कृपा बरसा सकते हैं तो इस्लामिक हिजरी कैलेंडर के मोहर्रम की पहली तारीख पर अथवा चीनी चांद्र नव वर्षारंभ पर ऐसा क्यों नहीं कर सकते? सम्बन्धित धर्मों के लोग भी उसी श्रद्धा के साथ उस दिन पूरा साल सुख समृद्धि से बीतने की कामना करते हैं। जबकि ऐसा कभी नहीं सुना गया कि किसी गैर हिंदूधर्मीय ने गुडी पडवा पर चर्च या मस्जिद में जाकर ईश्वर से कृपा बरसाने की याचना की हो। संकीर्ण धार्मिक सोच से परे यह विचारें कि ईश्वर अगर धर्म के आधार पर बंटा है तो फिर उसे अपने ही धर्म के अनुयायियों के त्यौहारों अथवा शुभ दिवसों पर कृपावंत होना चाहिए। लेकिन यदि ईश्वर सभी जगह एक है, और धर्म तथा संस्कृति निरपेक्ष है तो उसे किसी भी तिथि पर भक्तों पर समान रूप से कृपा बरसानी चाहिए फिर चाहे न्यू ईयर हो, चैत्र प्रतिपदा हो अथवा पहली मुहर्रम हो (इस्लामिक नव वर्ष का आरंभ)। क्या दुनिया में केवल हिंदू देवी-देवता ही इतने उदार है कि वो किसी भी धर्म के नव वर्ष को अपना मान लेने में संकोच नहीं करते? दूसरी बात ईश्वर की काल अवधारणा में वर्षों तिथियों और युगों का कोई अर्थ नहीं है। ईश्वर को सृष्टि का संचालक मान लें तो भी कालानुक्रम के लिए कैलेंडरों और पंचांगों का निर्माण मनुष्य ने अपने खगोलीय अवलोकनों और प्राकृतिक घटनाचक्र और कार्मिक सुविधा के हिसाब से किया है न कि किसी देवता ने। हालांकि भारतीय सूर्य सिद्धांत के बारे में कहा जाता है कि उसे स्वयं सूर्य भगवान ने मयासुर को बताया था। लेकिन बाकी पंचांग मनुष्य की रचनाएं हैं। ऐसे में भगवान किसी तिथि विशेष पर ही इतने कृपावंत क्यों होंगे कि जिसके लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब आ जाए और लोग पहली तारीख को मिलने वाली तनख्वाह से भी ज्यादा न्यू ईयर को महत्वपूर्ण धार्मिक और आध्यात्मिक दिवस मानने लगें? वैसे एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि आज युवा पीढ़ी नव वर्ष पर पब और होटलों में जाने की जगह धार्मिक स्थलों पर ज्यादा जा रही है, लेकिन यह भी हकीकत है कि न्यू ईयर पर इन पबो, होटलों, क्लबों में पैर रखने की भी जगह नहीं मिलती। बहरहाल, सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं !

ट्राइबल स्टूडेंट्स के साथ छात्रावासों में रात को रुकेंगे अधीक्षक

- **मंत्री विजय शाह बोले- यूनियन कार्बाइड की जमीन कीमती, वहां क्या होगा ये निर्णय सीएम ही करेंगे**

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के जनजातीय छात्रावासों में छात्राओं की सुरक्षा और अनुशासन को लेकर सरकार ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने साफ कहा है कि जो अधीक्षक रात में छात्रावास में नहीं रुकेंगे, उन्हें अधीक्षक पद से हटाया जाएगा। सरकार छात्रावासों में ऐसी व्यवस्था लागू कर रही है, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं रहेगी।

5228 शिक्षक बने बैठे हैं अधीक्षक

मंत्री विजय शाह ने बताया कि प्रदेश में इस समय 5 हजार 228 अधीक्षक ऐसे हैं, जो मूल रूप से शिक्षक हैं। कई अधीक्षक न तो नियमित पढ़ाते हैं और न ही छात्रावास में पूरा समय देते हैं, जिससे बच्चों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह स्थिति बच्चों के साथ अन्याय है। इसी को सुधारने के लिए सरकार नई अधीक्षक कैडर व्यवस्था ला रही है। योजना के तहत अगले तीन से चार वर्षों में हर साल करीब 1200 फुल-टाइम अधीक्षक नियुक्त किए जाएंगे। इसके साथ ही जो शिक्षक वर्तमान में अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं, उन्हें वापस उनके मूल शैक्षणिक कार्य में लगाया जाएगा। आगामी शिक्षा सत्र से पहले करीब तीन हजार अधीक्षकों की व्यवस्था आउटसोर्सिंग के जरिए की जाएगी, ताकि छात्रावासों में अधीक्षक की कोई कमी न रहे।

कंपकंपी वाली शीत लहर में मना प्रदेश में नव वर्ष

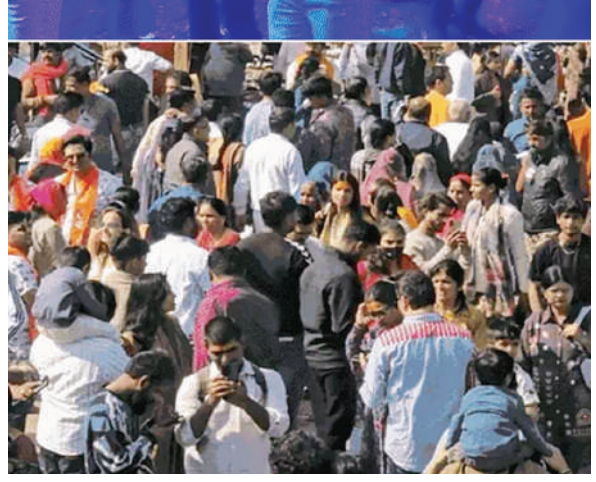

रात में हुई जश्न ए पार्टियां, सड़क, क्लब, छत और मंदिर सब जगह मना जश्न

साथ महाकाल-ओंकारेश्वर मंदिर, भोजपुर में भी लाखों टूरिस्ट पहुंचें। वहीं, झीलों के शहर भोपाल के पिकनिक स्पॉट भी गुलजार थे।

भोपाल और इंदौर में सबसे बड़ी नाइट पार्टी हुई। यहां के क्लब, बार और होटलों में बुकिंग फुल हो चुकी थी। तेज ठंड के बीच न्यू ईयर मनेगा, क्योंकि दिसंबर की आखिरी रात कड़ाके की ठंड का अलर्ट है।

दो दिन पहले से पचमढ़ी पहुंचे लोग

इस बार 31 दिसंबर और 1 जनवरी को सरकारी छुट्टी नहीं है, लेकिन बच्चों के स्कूलों में 4 जनवरी तक विंटर वेकेशन है। ऐसे में लोग छुट्टियां लेकर न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने निकल गए हैं। ऐसे में लोग न्यू ईयर को खूब इंजॉय करेंगे।

टाइगर रिजर्व फुल, 4 जनवरी तक बुकिंग- न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए मध्यप्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क तैयार हैं। पार्क के कोर जोन की सभी सीटें एक सप्ताह पहले ही बुक हो चुकी है।

महाकाल मंदिर में पहुंचेंगे लाखों श्रद्धालु

नए साल की शुरुआत लाखों लोग उज्जैन आकर महाकाल के दर्शन कर करते हैं। यहां लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। खंडवा जिले में ओंकारेश्वर मंदिर और सतना के मैहर में भी लाखों श्रद्धालु पहुंचेंगे। इनके अलावा बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा, श्री पीतांबरा पीठ दतिया, सीहोर स्थित सलकनपुर, देवास स्थित मां चामुंडा मंदिर समेत इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर आदि जिलों के प्रसिद्ध मंदिरों में भी श्रद्धालु देव-दर्शन कर न्यू ईयर मनाएंगे।

गांधीसागर रिट्रीट में वाटर एक्टिविटी भी- प्रदेश के गांधीसागर रिट्रीट, कूनो और चंदेरी में भी उत्सव चल रहे हैं। गांधीसागर में लोग न सिर्फ नाइट रुक सकते हैं, बल्कि वाटर एक्टिविटी भी का लुफ्त ले रहे थे।

पचमढ़ी की वादियों में मना जश्न- सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में पर्यटकों के लिए 29 दिसंबर से इवेंट्स शुरू हो गए, जो 1 जनवरी तक चलेंगे। नॉन स्टॉप इवेंट्स में सेहत, स्वाद और मनोरंजन के लिए सबकुछ है। पचमढ़ी गोल्फ टूर्नामेंट, स्टार गैजिंग, टूरिज्म हॉट बाजार, धूपगढ़ पॉइंट पर योग, बर्ड वाचिंग और उद्यानिकी ट्रेल, टेंपल दर्शन और हेरिटेज वॉक, पचमढ़ी फिल्म फेस्टिवल के तहत लाइट एंड साउंड शो, कराओके शो, न्यू ईयर सेलिब्रेशन, ट्रैकिंग और नाइट कैंपिंग और अंबा माई पर रॉक आर्ट ट्रेल जैसे इवेंट्स हो रहे हैं। 1 जनवरी तक सेलिब्रेशन चलेगा।

नए साल के जश्न को लेकर पुलिस के थे सख्त इंतजाम

भोपाल में नए साल के जश्न को लेकर पुलिस ने सख्त इंतजाम किए थे। 31 दिसंबर रात 12:30 बजे के बाद किसी भी तरह का जश्न, डीजे या तेज आवाज में संगीत की अनुमति नहीं थी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। शहर में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 1500 जवानों की तैनात की गई है। पुलिस ने साफ कर दिया था कि शराब पीकर वाहन चलाने या हुड़दंग करने वालों की नए साल की शुरुआत हवालात से होगी। इसके लिए पुलिस ने शहर के 75 स्थानों पर चेकिंग पाइंट बनाए हैं, आज शाम से ब्रीथ एनालाइजर से भी वाहन चालकों की जांच की जाएगी। वहीं नशे में पकड़े गए तो वाहन भी जब्त कर लिया जाएगा।

नवोदय स्कूल के 80 छात्रों ने खुद को कैद किया

3 घंटे कमरे में बंद रहे, एसडीएम से बोले- पीटी टीचर कभी भी पीटने लगते हैं, एंबुलेंस-दमकल बुलाना पड़ी

मुरैना (नप्र)। मुरैना के जौरा स्थित जवाहर नवोदय हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार सुबह हड़कंप मच गया। यहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 80 छात्रों ने पीटी टीचर की प्रताड़ना से तंग होकर खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया। छात्रों की नाराजगी इतनी ज्यादा थी कि उन्होंने स्कूल प्रबंधन के कहने पर भी दरवाजा नहीं खोला। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड बुलानी पड़ी। करीब 3 घंटे की समझाइश के बाद छात्र माने और गेट खोला।

घटना पगारा रोड स्थित नवोदय स्कूल की है। सुबह जब स्कूल शुरू होने का समय हुआ, तो क्लास रूम खाली पड़े थे। स्कूल प्रबंधन ने हॉस्टल जाकर देखा तो पता चला कि छात्रों ने खुद को अंदर से लॉक कर लिया है। कारण पूछने पर, छात्रों ने दो टूक कह दिया कि जब तक प्रशासन के बड़े अधिकारी नहीं आएंगे, वे न बाहर आएंगे, न किसी से बात करेंगे। छात्रों की जिद और मामला बढ़ता देख प्रबंधन ने प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी।

पीटी टीचर पर बेवजह पीटने का आरोप- छात्रों ने आरोप लगाया कि पीटी टीचर आशुतोष तिवारी उनके साथ अभद्रता और मारपीट करते हैं। वे कभी भी किसी भी छात्र को पीटने लगते हैं। स्कूल प्रबंधन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा। 10वीं के छात्र ने बताया कि सुबह 7 बजे हम सभी ने खुद को बंद कर कर लिया था। पीटी टीचर मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते हैं। हमारे इस कदम से हो सकता है, कुछ सुधार हो। वे कहते हैं-कुछ हो न हो, स्कूल में अनुशासन होना चाहिए, उसकी बात हमें सही भी लगती है, लेकिन जिस प्रकार से उनका रवैया है, वह तानाशाही वाला है। यदि कोई एक सेकेंड के लिए भी लेट हुआ तो पीटने लगेंगे। धमकाते हैं कि मेरे खिलाफ कुछ कहा तो समझ लेना।

एक छात्र ने कहा- साफ-सफाई तक नहीं होती। बाथरूम गंदे पड़े रहते हैं। हमें जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वो नहीं मिल रही है। एसडीएम सर से बात हुई है। उन्होंने टीम के द्वारा जांच करने की बात कही गई है।

सीएम हाउस के पास की झुग्गियां नहीं हटेंगी

मजदूरों की याचिका पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, चार सप्ताह में सरकार से मांगा जवाब

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल के श्यामला हिल्स क्षेत्र में स्थित झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। मजदूरों और स्थानीय निवासियों की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 27 याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत दी है। साथ ही राज्य सरकार सहित अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं।

मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस अमित सेठ की वेकेशन बेंच ने सभी पक्षों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं की झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। श्यामला हिल्स में रहने वाले आदिवासी मोहल्ले के मानसिंह एवं अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि सभी याचिकाकर्ता अनुसूचित जाति से संबंधित हैं और खसरा नंबर 1413 की आरक्षित वन भूमि पर कई पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि तुलसी मानस प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन रघुनंदन शर्मा ने 24 नवंबर 2024 को जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर मानस भवन के पीछे स्थित झुग्गियों को अवैध बताते हुए उन्हें हटाने की मांग की थी।

एसडीएम ने जारी कर दिया बेदखली का आदेश

याचिका में यह भी बताया गया कि इसी पत्र के आधार पर भोपाल के एसडीएम ने 25 अगस्त 2025 को झुग्गियों की बेदखली के आदेश पारित कर दिए। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि इस आदेश के खिलाफ उनकी अपील लंबित है, इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कार्रवाई किए जाने की तैयारी की जा रही थी, जो नियम विरुद्ध है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट मनोज शर्मा, एडवोकेट काजी फखरुद्दीन और आसिफ अली खान ने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने याचिकाकर्ताओं की अपील पर अब तक कोई आदेश पारित नहीं किया है।

पेंच टाइगर रिजर्व में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नए साल के जश्न पर कई गतिविधियां 5 तक बंद

सिवनी (नप्र)। सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में नए साल के जश्न को देखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। कलेक्टर शीतला पटले ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किए हैं। इसका उद्देश्य वन्यजीवों की दैनिक गतिविधियों और पर्यटकों की सुविधा सुनिश्चित करना है।

जारी आदेश के अनुसार, पेंच राष्ट्रीय उद्यान के कोर जोन, बफर जोन, चिन्हित ईको-सेंसिटिव जोन और अतिसंवेदनशील वन्यप्राणी बहुल क्षेत्रों में 5 जनवरी की शाम 5 बजे तक कई गतिविधियां पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी। इनमें वैवाहिक कार्यक्रम, जुलूस, रैली, धरना-प्रदर्शन, खेल प्रतियोगिताएं, पार्टियां, पटाखे और टीवी, एलसीडी या चलित वाहनों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शामिल है।

इस अवधि के दौरान सड़क, जंगल या नदी के समीप किसी भी प्रकार की अनाधिकृत गतिविधि, उपद्रव, पार्टी, शराब पीकर वाहन चलाना, 10 से अधिक व्यक्तियों का जमावड़ा अथवा कानून एवं शांति व्यवस्था को बाधित करने वाली गतिविधियों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पेंच नेशनल पार्क देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है, जो यहां बाघ सहित कई वन्यजीवों का दीदार करने आते हैं। यह पार्क अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। नेशनल पार्क में बाघ, तेंदुए, भेड़िये, जंगली भैंसे (गौर), चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली सूअर, सुस्त भालू, जंगली कुत्ते, सियार, लोमड़ी, चार सींग वाला मृग, चिंकारा, बंदर, लंगूर और विभिन्न प्रकार के पक्षी जैसे मोर, दूधराज (शाही पक्षी), बाज, तोता और गिद्ध पाए जाते हैं।